



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 18] नई विल्ली, शनिवार, मई 5, 1979 (वैशाख 15, 1901)

No. 1 NEW DELHI, SATURDAY, MAY 5, 1979 (VAISAKHA 15, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असम संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—पृष्ठ 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नयंत्रक और भ्रातालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्ली-110011, दिनांक 23 मार्च, 1979

सं. ए० 35014/1/79-प्रशा० ॥—मन्त्रिव, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा मंवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री ए० गोपाल-कृष्णन को आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर कार्य करने के 20-3-1979 से तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहुँचे हो, नियुक्त करते हैं।

अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर नियुक्त होने पर श्री ए० गोपाल-कृष्णन का वेतन विस मंवालय व्यय विभाग के समय-समय पर यथासंशोधित का० जा० सं० ए० 10 (24)-ई० III /60 दिनांक 4-5-1961 के अनुसार विनियमित होगा।

ए०म० बायकन्द्रन,

अवर मन्त्रिव,

हृते मन्त्रिव संघ लोक सेवा आयोग।

नई विल्ली-110011, दिनांक 9 अप्रैल 1979
सं. पी०/1827 प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की भ्रातालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा केरल सरकार के निवेदनम स्थित इंजीनियरी कालिज में सिविल इंजीनियरी के भूतपूर्व नेतृत्वरर डा० ए० मी० मध्याई को 29-9-1979 तक अथवा आगामी ग्रादेश तक, जो भी पहुँचे हो, संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 4 के परन्तुक के अनुसार उप मन्त्रिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद पर कार्य करने के लिए महर्ष नियुक्त किया जाता है।

ए०म० बायकन्द्रन,
अवर मन्त्रिव,
हृते अध्यक्ष

गृह मंवालय

का० प्रा० प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई विल्ली, दिनांक 16 अप्रैल, 1979

सं. जी०-29/65-प्रशा०-5—भारतीय नेतृ निगम मे वरिष्ठ मतकंता अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति

के लिये चयन हो जाने पर, श्री जी० सी० पट्टनायक, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण अध्यरूपों ने 3 अप्रैल, 1979 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण अध्यरूपों में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

रिपुदमन [सिंह,
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
'केन्द्रीय अन्वेषण अध्यरूपों

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 अप्रैल 1979

सं० ओ० दो० ६८५/७१-स्थापना—भारत मरणार दुख के साथ यह अधिसूचित करती है कि दिनांक 24-२-७९ को श्री जे० प० अन्मारी, उप-पुलिस अधीक्षक, ग्रृष्ण केन्द्र, के० रि० पु० बल, पल्लीपुरम का देहान्त हो गया।

सं० ओ० दो० १२०९/७५-स्थापना—श्री रामेश्वर सिंह ने उनके सरकारी भेवा में निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, ग्रृष्ण केन्द्र, के० रि० पु० बल, दुर्गापुर के पद का कार्यभार दिनांक 28-२-७९ (अपराह्न) को त्याग दिया।

ए० के० बन्दोपाध्याय,
महायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 अप्रैल 1979

सं० 11/1/77-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 29 अगस्त, 1978 की समसंबंधीक अधिसूचना के अनुक्रम में निम्नलिखित अधिकारियों की, उनमें से प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शित जनगणना कार्य निदेशालयों में, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति की प्रवधि की तारीख 27 मई, 1978 से तारीख 12 मितम्बर, 1978 तक के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं—

क्र	अधिकारी का नाम	राज्य	मुख्यालय
सं०			
1	2	3	4
1.	श्री एम० के० मजूमदार	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
2.	श्री बी० डी० शर्मा	संघ राज्य क्षेत्र	चण्डीगढ़

सं० 11/1/79-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, हरियाणा, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरस श्री अवैमान मिह का नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में स्थानान्तरण हो जाने से उनके स्थान पर नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरस श्री आर० के० अग्रवाल को तारीख 2 अप्रैल, 1979

के पूर्वान्तर से अगले आदेशों तक, हरियाणा, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में नियमित आधार पर अप्स्थित होने तक, जनगणना कार्य के पद पर महर्ष नियुक्त करने हैं।

श्री अग्रवाल का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

सं० 11/1/79-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक (तकनीकी) के पद पर कार्यरस श्री बी० के० भारंग बो तारीख 30 मार्च 1979 के पूर्वान्तर से अगले आदेशों तक, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर नियमित आधार पर अस्थाई क्षमता में महर्ष नियुक्त बारते हैं श्री भारंग का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांक 12 अप्रैल 1979

सं० 11/1/79-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरस श्री के० के० रस्तोगी को उभी कार्यालय में तारीख 16 मार्च, 1979 के पूर्वान्तर से अगले आदेशों तक, नियमित आधार पर अस्थाई क्षमता में उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर महर्ष नियुक्त बारते हैं। श्री रस्तोगी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 16 अप्रैल 1979

सं० 11/1/79-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरस श्री जे० के० पटेल को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 30 मार्च, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक, नियमित आधार पर अस्थाई क्षमता में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री पटेल का मुख्यालय बम्बई में होगा।

पी० पश्चनाभ,
भारत के महा पंजीकार

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 11 अप्रैल 1979

सं० 29015(2)/78-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा भेवा के एक अधिकारी श्री संजय मुखर्जी को उक्त भेवा के वरिष्ठ समय मान (रुपये 1100-50-1600) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, दिनांक 30-३-१९७९ (अपराह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

आर० एल० बल्लभी
रक्षा लेखा महानियंत्रक (प्रशासन)

अधिसूचना में संशोधन

नई दिल्ली-110022, दिनांक 9 अप्रैल 1979

सं. 23012/79/प्रशा०-II—इस कार्यालय की दिनांक 23 जनवरी 1979 की अधिसूचना सं. 23012/79/प्रशा० ए० में आंशिक संशोधन करते हुए रक्षा लेखा महानियंत्रक, निम्ननियुक्त स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा) को० पहले अधिसूचित की गई तारीख के बजाए, उनके नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाल्पे में, मूल पदधारी के रूप में, लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

नाम	संगठन जहां सेवारत है	प्रभावी तारीख
श्री एन० सी० फड़के	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना	23-12-79
—	एस० एन० अटोपायाय रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (कार्मिक)	—

रक्षा मंत्रालय

आर्डनेस्स फैक्टरियां, महानिदेशालय
डी०जी०ओ० एफ० मुख्यालय (सिविल सेवा)
कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल, 1979

सं. 6/79/ए०-1 (एन जी)—महानिदेशालय, आर्डनेस्स फैक्टरियां दिनांक 25-10-1978 से आगामी आदेश न होने तक श्री एन० एन० विश्वास, स्टेनोग्राफर “सी” /पी ए को स्टेनोग्राफर ग्रेड “बी”/सीनियर पी ए (ग्रुप ‘बी’ राजपत्रित) के पद पर, स्थानापन्न आधार पर विना वरिष्ठता पर प्रभावी हुए प्रोत्तत करते हैं।

डी०पी० चक्रवर्ती
महायक महानियंत्रक/प्रशासन
हृते महानिदेशक

भारतीय आर्डनेस्स फैक्टरियां संघ

कलकत्ता, दिनांक 9 अप्रैल, 1979

सं. 21/79/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एच० हुल्दर, स्थानापन्न टी० एस० ओ० (सौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 मार्च, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता
महायक महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल, 1979

सं. 28/21/78-एस०-2—महानियंत्रक आकाशवाणी, श्री एम० सी० पी० अमित्यार, फॉल्ड रिपोर्टर, आकाशवाणी,

कालोकट को आकाशवाणी कालोकट पर विस्तार अधिकारी के पद पर तदर्यां आधार पर 20 नवम्बर, 1978 से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एम० वी० सेषांद्री
उप प्रशासन निदेशक
कृते महानियंत्रक

सूचना और प्रमारण मंत्रालय

फिल्म विभाग

बम्बई-26, दिनांक 9 अप्रैल, 1979

सं. ए०-24013/26/78-मिबन्दी-1—फिल्म प्रभाग के मुख्य नियंत्रिता ने, फिल्म प्रभाग, नागपुर के स्थानापन्न विक्रेता कु० एस० मेन को, श्री जी० के० डी० नाय, शाखा प्रबन्धक को छुट्टी मंजूर करने के बजाए दिनांक 19-3-1979 के दुपराह्न से समान कार्यालय में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

न० ना० एम०
महायक प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य नियंत्रिता

दृष्टि और मिचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विषयन एवं नियंत्रण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 11 अप्रैल, 1979

सं. ए० 19023/74/78-प्र III—इस निदेशालय के प्रधीन विषयन अधिकारी (वर्ग II) के पदों पर निम्ननियुक्त अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 30-9-79 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो बढ़ाया गया है।

1. डा० जी० के० पल्लन
2. डा० (श्रीमती) आर० एम० नेहरू

सं. ए० 19023/1/79-प्र० III—श्री एम० डी० फड़के, महायक विषयन अधिकारी को दिनांक 22-3-79 (पूर्वाल्प) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर तीन माह की अवधि के लिए या जब तक कोई नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, गुन्डूर में स्थानापन्न रूप में विषयन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया जाता है।

1. विषयन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री फड़के ने तारीख 17-3-79 की अपराह्न में राजकोट में महायक विषयन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 12 अप्रैल, 1979

सं. ए० 19024/5/78-प्र०-III—मुख्य रमायनक के पद पर श्री अन्ध प्रकाश की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 30-6-79 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

सं० ए० 19024/9/78-प्र०-III—मुख्य रमायनके पद पर श्री ए० ए० ए० प्रकाश राव की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 30-6-79 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले ब्रह्मित हो, बढ़ाया गया है।

दिनांक 16 अप्रैल, 1979

म० ए० 19025/65/78-प्र०-III—महायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 30 जून, 1979 तक या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध रिंग जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले ब्रह्मित हो, बढ़ाया गया है—

- 1 श्री आर० ए० स० मिह
- 2 श्री बी० ए० क० मिन्हा
- 3 श्री ए० ए० ए० राष
- 4 श्री आर० बी० ए० यादव
- 5 श्री ए० पी० मिह
- 6 श्री ए० ए० ए० राय
- 7 श्री ए० ए० ए० राव
- 8 श्री ए० पी० शिल्प
- 9 श्री आर० सी० मुर्मा
- 10 श्री क० क० तवारी
- 11 श्री ए० क० मलिक
- 12 श्री ए० डी० काथलकर
- 13 श्री आर० क० पांडे
- 14 श्री ए० ज० माहन राव
- 15 श्री क० क० मिरोही
- 16 श्रीमती अनुमूर्या शिवराजन
- 17 श्री बी० ई० इडविन
- 18 श्री ए० पी० मस्मेना
- 19 श्री ए० ए० जी० शुक्ल
- 20 आर० सी० मिथल
- 21 श्री ए० ए० ए० शुक्ल
- 22 श्री क० जी० वाथ
- 23 श्री ए० मूर्यनारायण मूर्ति
24. श्री बी० ए० वेराधर
- 25 श्री ए० आर० शुक्ल
- 26 श्री ए० सी० वजाज
- 27 श्री ए० ए० ए० चेतार्पति राव
- 28 श्री क० जयनन्दन
- 29 श्री सी० ए० गिरधर
- 30 श्री ए० ए० शमसी।

दिनांक 17 अप्रैल, 1979

म० ए० 19023/57/78-प्र०-III—इस निदेशालय में विषयन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अलापनीन नियुक्ति को दिनांक 30-6-79 तक या जब तक

नियमित प्रबन्ध किए जाने हैं, दोनों में से जो भी पहले ब्रह्मित हो, बढ़ाया गया है—

1. श्री ए० ए० चक्रवर्ती
- 2 श्री ए० बी० चक्रवर्ती
- 3 श्री आर० बी० कुरुप
- 4 श्री ए० बी० कृष्णमूर्ति।

बी० ए० ए० मनिहार
निदेशक, प्रशासन
कृते कृषि विषयन मलाहार

भाषा परमाणु प्रनुसधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 11 अप्रैल 1979

म० आर०/2027/टी० ए० डी०/स्थापना IV 3635— निम्नलिखित जापन जो इस अनुसधान केन्द्र के श्री क० पी० रवीन्द्रनाथन, कारीगर 'ए' को रजिस्ट्री रसीदी डाक द्वारा 17 जनवरी 1979 को उनके पते पर भेजा गया था, डाक अधिकारियों से 20 जनवरी 1979 का 'भारत में चला गया' टिप्पणी के माध्य वापिस आ गया। अब जापन को गजपति मे प्रकाशित करना है।

“रसीदी रजिस्ट्री

म० आर०/2027/टी० ए० डी०/स्थापना IV/682—17 जनवरी 1979

जापन

नियुक्ति प्रस्ताव सं० पी० ए०/87(1)/78-आर०—दिनांक 6 जुलाई 1978 के पैरा 1(ए) और जापन स० पी० ए०/आर०/2027/आर०—दिनांक 29 जुलाई 1978 के अनुसार मध्यम-प्राधिकारी ने श्री क० पी० रवीन्द्रनाथन, कारीगर 'ए' नक्नीकी मेवाण प्रभाग, जो 11-10-78 के पूर्वाह्न से परिवीक्षा पर थे की मेवाओं को समाप्त कर दिया है। उनकी तारीख 21-9-78 से 10-10-78 की अनुपस्थिति छूट दिवस समझी जाएगी।

- 1 श्री क० पी० रवीन्द्रनाथन
51/1744, सुभाष नगर (ए० ए० बी०)
चेम्बूर, बम्बई-400071।
- 2 श्री क० पी० रवीन्द्रनाथन
कोलदरे हाउस
पोस्ट चेन्ट्रलपिट्टी
जिला टिचुर, केरेता स्टेट”

ए० ए० ए० राव
उप-स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 19 अप्रैल, 1979

सं० डी० पी० एस०/23/1/79/संस्थापन—निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय श्री के० रवीन्द्रन, महायक को स्थानपत्र रूप से, महायक कार्मिक अधिकारी पद पर, रुपये 650-30-74 35-880-द० रो०-40-960 के बेतन क्रम में, इसी निदेशालय में दिनांक 23 फरवरी 1979 अपराह्न में 31 मार्च 1979 अपराह्न तक नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
महायक कार्मिक अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 4 अप्रैल 1979

सं० भाषाप/स्था०/1/ना-22/1567—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री वासुदेवन गोपालकृष्णन नाथर, अर्ध स्थायी महायक सुरक्षा अधिकारी, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को उसी परियोजना में श्री एच० बी० प्रित्तम, सुरक्षा अधिकारी जो छुट्टी पर है, के स्थान पर 16/1/79 में 22/2/79 (अपराह्न) तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापत्र सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाक्षम-603102, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० ए० 31020/1/78-1231/2194—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक नेत्रा अधिकारी और रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में लेखा अधिकारी II के पद पर स्थानापत्र रूप से नियुक्त श्री नागपा भानुरागन को, 1 अप्रैल, 1977 से इस केन्द्र में लेखा अधिकारी II के पद पर मौलिक रूप से नियुक्त करते हैं।

प० सेतुमाधवन
प्रशासनिक अधिकारी

कलपाक्षम-603 102, दिनांक 7 फरवरी 1979

म० ए० 31020/1/78-233—रिएक्टर, अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आकुलिपिकों और रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में स्थानापत्र रूप से नियुक्त महायक प्रशासनिक अधिकारियों मध्यश्री श्रीणा स्वामी से तुमाधवन और स्वामीनाथ वेंकटरामन को 1 जनवरी,

1979 से इस केन्द्र में सहायक प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० श्रीनिवासन,
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल, 1979

सं० ए० 32013/6/79-ई० श्री०—गढ़पति ने वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई के श्री एस० राजारमन, महायक तकनीकी अधिकारी को दिनांक 16-1-79 (पूर्वाह्न) में 60 दिन के लिए तदर्थे आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री टी० आर० शेषाद्री, तकनीकी अधिकारी के स्थान पर की गई है जो अंजित छुट्टी पर है।

सत्य देव शर्मा,
उप निदेशक प्रशासन

विवेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 16 अप्रैल 1979

म० 1/485/79-स्था०—विवेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री आर० कुण्डल्यामी को 26 फरवरी 1979 के पूर्वाह्न से आंग्रे ग्राने आदेश तक स्विचन भम्बई में अस्थायी रूप से महायक प्रभियता नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलदौत्रा
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 16 अप्रैल 1979

म० II-टी० आर० (3)/77—मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता के इंजीनियर अफसर श्री पी० के० बनर्जी, ने, 18 दिसम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से उनका त्यागपत्र स्वीकार होने के फलस्वरूप, अपना पदभार छोड़ दिया है।

के० एम० सिधु,
नौवहन उप महानिदेशक

विधि, व्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 आर लान्डस्केप डेवनपरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

भद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1979

म० 6261/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनद्वारा

सूचना दी जाती है कि लान्डस्केन हेवलपरम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट किया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पञ्चापकेशन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और किस्टिपन म्युहूल बेनिफिट फण्ड (कोयम्बेटूर) लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1979

मं० 6421/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वाग सूचना दी जाती है कि किस्टिपन म्युहूल बेनिफिट फण्ड (कोयम्बेटूर) लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पञ्चापकेशन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कार्यालय आयकर आयुक्त

आयकर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल, 1979

मं० को० आई०/पञ्जि/ मी० आई० टी०-४/टी०/७७-७८/
५४३—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वांकी धारा 287 के अंतर्गत दिनांक 26-12-70 के भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के आदेश का प्रनुसरण करने हुए, जिसके द्वारा ऐसा करने के लिए प्राधिकृत किया गया है, आयकर आयुक्त दिल्ली-४ उन निधानियों के नामों तथा अन्य

विवरणों को प्रकाशित करते हैं जिनके मामलों में वित्तीय वर्ष 1977-78 के दौरान एक लाख रुपए से अधिक की आयकर को बकाया मांग को बटौ खाते आना गया था।

(एक) मैं “आई” व्यक्ति की हैमियत का ‘एच’ हिन्दू अविभक्त परिवार का तथा ‘सी’ कम्पनी का सूचक है तथा (दो) मैं कर निर्धारण वर्ष (तीन) मैं बटौ खाते डाली गई मास (चार) में बटौ खाते डालने के मंक्षिप्त कारण बताए गए हैं।

1. श्री मुरिन्दर सिंह घो० अमृतसर हार्डवेयर स्टोर हौज काजी, दिल्ली-६। (एक) आई

(दो) 1962-63 से 1969-70 तथा 1971-72 (तीन) 185,212 (चार) मास की अशोध्य ममता गया।

टिप्पणी:— किसी व्यक्ति से प्राप्त कर को बटौ खाते डाल दिया गया है इस कथन का अर्थ केवल यह है कि आयकर विभाग के विचार से प्रकाशन की तारीख को निर्धारिती की जात परिसंपत्तियों से उसे बमूल नहीं किया जा सकता। प्रकाशन का अर्थ यह नहीं है कि राशि कानून अशोध्य है या निर्धारिती प्रमगाधीन राशि की अदायगी करने के दायित्व से मुक्त कर दिया गया है।

रणवीर चन्द्र
आयकर आयुक्त, दिल्ली-४
नई दिल्ली

प्रकृष्ट धाई टी.एन.एम.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के प्रधीन सूचनाभारत सरकार
कायांलय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेंज
57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ
लखनऊ दिनांक 18 अप्रैल 1979निवेश मं. आरा० 132/अर्जन—अन: मृझे अमर सिंह
विसेनग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा० के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी मंख्या कोठी नं. 88 है तथा जो उदयपुर मैकनियर
रोड बरेली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 30-8-78को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण सिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी
रखने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;प्रत: प्रम, उक्त प्रधिनियम का धारा 269-वा० के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा० की उप-धारा (1)
प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी अवृत्त:—

- सरकार त्रिलोचन सिंह (प्रन्तरक)
- श्री गद्धारमन अग्रवाल गवं विनय कुमार अग्रवाल (प्रन्तरिती)
- मरदार त्रिलोचन सिंह (वह अक्षिनि, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के प्रवर्तन के संबंध में कोई भी व्याप्तिपत्र:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टव्योक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं. 88 स्थित उदयपुर मैकनियर रोड, बरेली और
प्रस्तरिति का वह सब विवरण जो कि बेलडी गांव फार्म 37-जी में
नं. 960 में वर्णित है जो दोनों सबरजिस्ट्रार इलाहबाद के
कार्यालय बरेली में दिनांक 30-8-78 को दर्ज है।अमर सिंह विसेन
मक्षम प्राधिकारी
महायकर ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊतारीख: 18-4-79
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 अप्रैल 1979

निदेश सं० ८० एम० आर०/७७/७९-८०/१—यत्, मुझे, जी०
एल० गालू

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-वा
के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है फि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० एक इमारत जिसका नम्बर 12/262
एम० सी० है तथा जो कि गाड़ बाजार, तरन तारन, अमृतसर
में स्थित है (आंग इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय तरन
तारन में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख अगस्त 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसा धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मरदार गुरपाल मिह पुत्र मेजर हरिंद्र सिंह, राजा
मांसी, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री हर्गजिन्द्र मिह, पुत्र मोहन मिह, तरन तारन, अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० २ में और कोई किरणेदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में लूची रखता हो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंध के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।
उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी
प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्राप्ति व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रथ होगा जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत नं० 12/262 एम० सी० जिसका 1/6 भाग
है जो कि गाड़ बाजार, तरन तारन में है जैमा कि रजिस्ट्री
डीड नं० 3884/16-8-78 आफ रजिस्ट्रीग अथारटी तरन
तारन के कार्यालय में दर्ज है।

जी० एल० गालू
मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 16-4-78

मोहर :

प्रकल्प प्राइवेटी-एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1979

निर्देश सं० एएसआर०टी० टी०/79-80/2—यतः मुझे, जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० एक विलिंग नं० 12/262 है तथा जो कि गार्ड बाजार, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप अंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण निखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से दूर्धि किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

1. श्री गुरपाल मिह फा मेजर हरिन्द्र सिंह राजा सांसी, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती गुरमरन कौर पत्नी स० मोहन मिह, तरन तारन, अमृतसर, (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर मं० 2 में और कोई किंगदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में हचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानला है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत नं० 12/262 एम० सी० जो कि गार्ड बाजार, तरन तारन (अमृतसर) में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीग डीड नं० 5247 तिथि 18-12-78 आफ रजिस्ट्रीग अधारटी, तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

जी० एल० गारू
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी• एन• एस•—

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, कोर्तीन

कोर्तीन-16, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निवेश सं० एल० सी० 295/79-80—यतः, मुझे, के०
मारायण। मेनोन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म्रनुसूची के अनुसार है, जो आलप्ती में
स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय आलप्ती में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 17-4-1979। को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्थि शत प्रधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और पन्तरिती
(पन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में आस्तविक
रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) पन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के पन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख), ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को जिस्ते भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः प्रथ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के मनुसरण में,
में उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अवाति:—

(1) श्रीमती विशालाक्ष्मि श्रम्माल। (अन्तरक)

(2) 1. श्री नूरदीन, 2. श्रीमती पालकन्नू सुबेदा बीबी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के संबंध में कोई भी प्रावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद
किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के बज्याय 20-क में परिभाषित
है, वही पर्यंत होगा, जो उन बज्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

Land and buildings as per schedule attached to Doc. No.
1850/78, dated 4-8-1978.

के० नारायण। मेनोन
मकाम प्राधिकारी
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
म्रजन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 17-4-1979

मोहर:

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश सं० 502 (अर्जन कानपुर/78-79—प्रत: मुझे भ० च० चतुर्वेदी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रत्युत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपस्थापा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विजयकुमार, कृष्ण कुमार, विष्णु कुमार के मरवानी पुत्राप्रावर्ग प्रसाद निवासी 131121 पागट कानपुर (अन्तरक)

2. श्री दुबदारखां पुत्र श्रव्वल गफूर खां निवासी खीरोन जिगा रायबेरली, इरथा अहमदा पुत्र दुबदार खांनिवासी सीयरोन, रामबरली, इकबाल हुसैन पुत्र कालेखां व जाबद इकबाल, जफर इकबाल, रईस इकबाल पुत्राण इकबाल हुसैन निवासी जग कतराम गढ़ धनबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिपूर्ण अपेक्षा नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इकबालराम:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 41 /109 स्थित औरंगेंगोना नई सड़क कानपुर 6000 में बेचा गया है जिसका कि अनु-मानित उचित बाजारी मूल्य 900000 है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख 7-4-1979

मोहर:

प्र० श्र० प्र० ग्राही० टी० एन० एस०—

ग्राहक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राहक ग्राहक (निरीक्षण)

अर्जन रेज

कानपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 538 अर्जन एटा /78-79—अतः मुझे म० च० चतुर्वेदी

ग्राहक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पांचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाष्ठार सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी म० है तथा जो में स्थित है (और जिसमें उपाबद्ध अनुसूची में आंग और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापार्वक्तव्य सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबा उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी यात्रा या किसी धन या भव्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्राहक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेज,

1. श्री हरचरन मिह पुत्र जमवल्ल मिह निवासी गेहतू परगना मारहरा जिला एटा। (अन्तरक)

2. श्री भूदेवरमिह सुनहरी लाल, शिव चरन लाल पुत्राण आरमिह निवासी लालपुर मनरा गेहतू परगना मारहरा, हृदयाल मिह गुव पुलाफन मिह निवासी बेगला फरती नगला गेहतू व श्रीमनी अगर्गी देवी स्वी नवारमिह निवासी गेहतू परगना मारहरा जिला एटा। (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करना पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में में किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाष्ठार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

परिवेशकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि 2.28 एकड़ स्थित ग्राम गेहतू परगना मारहरा जिला एटा 49000 में बंची गयी जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 85000 है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्राहक ग्राहक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुरतारीख: 7-4-1979
मोहर:

प्रस्तुति प्राई. टी. एन. एस. -

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा(1) के प्रधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अप्रैल 1979

निर्देश सं 467/अर्जन/आगरा/78-79—यतः, मुझे, म० च० चन्दुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी म० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपार्वक अनुमूल्य में और पूर्ण मूल्य से अर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-8-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वाम करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचहूँ प्रतिशत में अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्त प्रभरण निखित में व्यापक तरीके से उपयोग की गयी है।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए, और/ग

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अनुचिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मेरे 'उक्त अधिनियम' की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षितयों, अर्थात् :—

1. श्री मुनीश्वर नाथ गुप्ता पुत्र तोताराम गुप्ता डा० प्रह्लाद गुप्ता पुत्र डा० मुनीश्वरनाथ निवासी दिल्ली हैट रोड आगरा व अन्य (अन्तरक)

2. श्री गर्वीश चन्द्र अग्रवाल राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल वीरेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्रगण शिवचरण जाल अग्रवाल पुत्र गंगाधर अग्रवाल 18 विजयनगर कालोनी आगरा (अन्तरिती)

को पह मूल्या जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उस सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी मालिकः—

(क) इस मूल्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षितयों पर मूल्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितयों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्यक्ष अवित द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास लिंगित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही पर्याप्त होगा जो उन प्रधार में दिया गया है।

अनुमूल्य

अन्तरण सम्पत्ति कोठी नं 22/67 विजय नगर कालोनी आगरा का 14/16 हिस्मा 189000) में बेचा गया है जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 478000 है।

म० च० चन्दुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
महाप्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख : 11-4-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

कानपुर, दिनांक 11 अप्रैल 1979

निवेश सं० 572-ए—ग्रन्त: मुझे भरत चन्द्र चर्तुवेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनूपशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या धन्य घासितियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः :—

1. श्रीमती जाकिरो बेगम विधवा जादिदग्ली निवासी चहला परगना डिटाई तह० अनूपशहर जिला, बुलन्दशहर (अन्तरक)

2. श्री हैदर अली व करताज अली पुत्र अहमान व आफ नि चहला पर० डिकै तह० अनूपशहर जिला: बुलन्दशहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

संपर्कीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

कुपि भूमि स्थित ग्राम चेला में 26,820 रुपये बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 80,460 रुपये आंको गई है।

भरत चन्द्र चर्तुवेदी
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज) कानपुर

तारीख: 11 अप्रैल 1979।
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के ग्रन्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० ५३०/एम० जी० ए० /७९-८०—
यतः मुझे पी० एन० मन्त्रिक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के ग्रन्थीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो मनीना
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अक्टूबर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्धति प्रतिशत प्रधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण विधित में वास्तुरित फर से किया नहीं किया गया
है।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की धारत, उक्त प्रधिनियम,
के ग्रन्थीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगानन्द
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के ग्रन्थीन,
निम्नलिखित अपेक्षियों, अबाहु :—

1. श्री टिक्का हरभजन मिह पुत्र श्रीमती सुरज कौर
मांव मनीना नहीं मोगा (अन्तरक)

2. श्रीमती बलबीर कौर पत्नी मोठ प्रीतम मिह, रबिन्द्र
पाल मिह पुत्र सोठी प्रीतम मिह, जमविन्द्र पाल मिह, प्रताप
नगर जगरायों (अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्थीन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्थीन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वांबधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव ये
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

मनीना गांव में 272 कनाल कृषि भूमि जैमा कि विलेख
नं० 5444 अक्टूबर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में
तिखा है।

पी० एन० मन्त्रिक
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भट्टिडा

तारीख : 2-4-79

सोहर :

प्रस्तुप्राई० दी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचा

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टा

भट्टा, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 531/डी० एम० य०/79-80—यतः
मुझे पी० एन० मनिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो उत्ता (टांडा) में मिथ्या है (और इसमें उचावद्वा अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नर अधिकारी के कार्यालय दसुआ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथारूपीन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़द्दह प्रतिशत अधिक है और अत्तरक (अत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विद्वत में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी ग्राय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

1. श्री जगजीत लाल, प्रसजीन लाल, पुत्रान गुरदर्शन लाल गांव डल्ला (टांडा) तहसील दसुआ (अन्तरक)
2. श्री मेवा नन्द, आगवनी कुमार विनय कुमार पुत्रान अमरनाथ गांव डल्ला (टांडा) तहसील दसुआ (अन्तरिती)
3. जैमा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में जैमा है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अध्रोहस्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षोः—

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्रोहस्नाक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापक विवरण में वर्णित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डल्ला गांव में शकनाल परमने कुपि भूमि का बटांदरा जैमा कि विलेखनं 1361 अगस्त 1979 में लिखा है।

पी० एन० मनिक
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भट्टा

तारीख 2-4-1979

मोहरः

पत्रपत्र शाहू टी. पू. एस. 1979—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

गांव 269 घ (1) के अधीन नवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निदेश मं० ए० पी० 532 ए० बी० एच०/79-80—यतः
मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो अबोहर
में स्थित है (और इसमें उबाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अबोहर
मेरजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के धीन
प्रगत 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया भाया प्रतिफल, निम्नलिखित
अन्तरण से उन्नत अन्तरण लिखित में काम्तविक रूप से कथित नहीं
क्या गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त प्रति-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायितव-
य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या;

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं बिया गया है या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में 'विद्य' के लिए;

अतः प्रत, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ के अनुभरण में
ने, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः:—

3-46GI/79

- श्रीमती वैष्णो देवी विधवा दौलत राम वासी अबोहर
(अन्तरक)
- विद्यावती पत्नी दीना नाथ गली नं० 9 मडी अबोहर
(अन्तरिती)
- जैमा कि नं० 2 मे है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोस्त्राक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितखब
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखब
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुण्डा नगरी रोड अबोहर मे एक मकान जैसा कि विलेख
नं० 1085 अगस्त 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अतिकारी अबोहर में
लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भट्टिडा

तारीख : 2-4-1979

मोहर :

प्राकृत प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत 'मरकार'

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 533/बी०टी०आई०/79-80—यतः मुझे
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ्र
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक है

और जिसकी सं० जीमा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
भट्टिडा में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भट्टिडा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, या दृश्यमान
प्रतिफल का उद्देश्य प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कहिया नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी याय की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में वर्ती
रन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी याय पा किसी बन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उचित अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकर नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिया था, कियाने में
सुविधा के रूप;

अतः मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ्र के अनु-
मत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ्र के उपधारा
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री भाग मल पुत्र बधावा मल और रणजीत मिहू पुत्र,
जीवन मिहू बन्सी भट्टिडा (अन्तरक)

2. श्री नानक राम मैमोरियल आयवेदिक हस्पताल
गुरु नानक पुरा भट्टिडा (अन्तरिक्षी)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोस्तानकी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना आरी फरके पूर्वानुमति के प्रत्येक के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर भूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्तानकी के
पास निग्रिन में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं वही पर्व होंगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

गुरु नानक पुरा भट्टिडा में 1629 गज का एक पलाट
जैसा कि विलेख नं० 238 अगस्त 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
भट्टिडा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्रम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख: 2-4-79

मोहर:

प्रारूप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निवेश सं० ए० पी० 534/FDR/79-80—यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है। तथा जो कोटक-पुरा में स्थित है (और इसमें उबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शरिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, उपराने में सुविधा के लिए;

यह अनुसूचणा में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त:—

1. श्री कर्म सिंह, हरी मिह, और मेहर सिंह पुत्रान सुजान सिंह, द्वारा सुजान सिंह मेहर सिंह कपड़ा बिक्रीता गुरद्वारा बाजार कोटकपुरा (अंतरक)

2. श्री महिन्द्र सिंह, पुत्र मिलदी मिह द्वारा पुखा प्टक्षज गुरद्वारा बाजार कोटकपुरा (अन्तरिती)

3. जैसाकिनं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि व सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इति सूचना का राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याय होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

गुरद्वारा कोटकपुरा में एक दुकान जैसा कि विलेख नं० 2076 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भट्टडा

तारीख: 2-4-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईटी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निवेश सं० ए० पी० 535/एन० डब्ल्य० एम०/79-80—
यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो राहों में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवा शहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि याचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रम्तरकों) और प्रस्तरिति-
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
अधिकृत, निम्ननिष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप जो बाबत उक्त अधिनियम के
प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में युविग्र
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या मूल्य सामिलियों
को चिन्हों मार्कीय आयकर अधिनियम, 1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्थिर;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

1. श्री कदार नाथ पुत्र देवी दास गाव राहों तहसील नवा
शहर (अन्तरिती)

2. श्री पुण्यपिंड्र कुमार पुत्र विश्वामित्र गाव राहों तहसील नवा
शहर (अन्तरक)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्गत में हाई बोर्ड प्राप्त —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर उक्त सम्पत्ति में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास
निश्चिन में फिर जा सकेंगे।

स्वाक्षरी दरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित
हैं वहाँ अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

राहों गांव में 43 कनाल 2 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख
नं० 2747 अगस्त 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवा शहर
में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भट्टिंडा

तारीख 2-4-1979

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० प८०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निर्देश प्र० पी० 536/प८० डी० प०/78-80—यतः
मुझे प्र० प८० अनुकूलिकआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, इहा गया है'), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। नथा जो बाधा
पुराना में स्थित है (प्रौर इसमें उपवद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अक्तूबर 1978।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रवर्ति:—1. श्री मंत गृनेल गिह पुत प्राचा मिह पुत्र किशन मिह
वासी बाधा पुराना (अन्तरक)2. श्री मुखमिन्द्र मिह, तरसम मिह पुत्रान हर्जीत मिह पुत्र
बप्त मिह और गतविन्द्र मिह वकुमन मिह, पलविन्द्र मिह वासी
ग्रामवाला नजदीक बाधा पुराना
(अन्तरिती)3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिस अधिभोग में
सम्पत्ति है)4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में कार्य रखता है। (वह व्यक्ति जिस के
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है) कि वह गप्ति में हितबद्ध है
कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के गतपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि वा नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के गतपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाधा पुराना गांव में 23 कनाल 8 मर्गे कुषि भूमि जैसा
कि विनेक नं० 5362 अक्तूबर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
मोगा में लिखा है।प्र० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भट्टिडा

तारीख 2-4-1979

मोहर :

प्रृष्ठ प्राईटी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० पी० 357/पी०एच०एल० / 79-80—यतः मझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है। तथा जो फतहपुर में हिथन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में शामिल है), रजिस्ट्रीहर्टी अधिकारी कार्यालय फिलीर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1978 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तर्कों) और अन्तरित (प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रातकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष निवित में वास्तविक रूप से नियत नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष में हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा

(1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्यातः:—

1. श्री आरमा गम पुत्र ठाकुर गम वासी फतहपुर (अन्तरक)

2. श्री गम्भू दयाल पुत्र करतार चन्द वासी आदेशाली तहवील फिलोर (अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिस बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में तिब्बत है)

को यह इस बागे करने पूर्वक ममता के प्रबंधन के लिए कार्यवालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न न सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रस्तर्वद्य व्यक्तियों ने सूचना और नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाद में भमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी भूमि की व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फतहपुर गांव में 69 कनाल 7 मरले कृषि कृषि भूमि जैसा कि विनेक नं० 2663 सितम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज भट्टिडा

तारीख : 2-4-79

मोहर :

प्रस्तुता श्राई २०० एन० एम०

आय०र अधिनियम, 1961 (1961 ए 43) को धारा

269य (1) के प्रधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 538/एच० एम० आर०/७९-८०
यतः भुजे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-यु के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो शाम चौरासी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का (16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर 1978

को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन अन्तरण लिखित में नामन्वय "रु० से कथित नहीं किया गया" ---

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबर उन अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के गतिविधि में कभी करने या उभस बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी पाय गा किसी धरा गा अन अधिनियों ने, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्व अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन अधिनियम की धारा 269-या के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-यु की उपधारा (1) के प्रधीन, लिखित अधिकारी अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री बलबीर मिहू पुत्र हरनाम सिंह पुत्र दौलती भाव भाम चौरसी थाना होशियारपुर । (अन्तर्य)

2. श्री दिलवाल मिहू पुत्र बतन सिंह पुत्र रंगार मिहू भाव भावडा जिला जलन्दहर । (ग्रन्तिती)

3. जैसा कि न० २ में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह प्रवास जारी रखके त्रुट्टा अन्वित के अर्जन के लिए कार्रवाहिंग करना ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्यना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अन्य तार में घमाल होती हो, के भीतर पूर्वोन्न व्यक्तियों में गे किसी वाकित द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकें।

स्पष्टाकरण :—इसमें प्रपुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जामचोरामी गांव में 28 कनाल कुपि भूमि जैसा कि विलेख न० 2567 मितम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टडा

तारीख 2-4-1979 :

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० एस० 3९/एनडब्ल्यूएस/79-80-यत मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो सालमपुर में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवा शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति:—

1. श्री बड़ी दारा, शादी, नमीब जोगी पुत्रान मित्रो पुत्री पुड़ा गांव सालमपुर तहसील नवा शहर। (अन्तरक)

2. श्री रक्खा पुत्र रुलीग्रा गाम और गुरपाल पुत्र रक्खा गांव बहलुर कलां तहसील नवा शहर। (अतरिती)

3. जंसा किन० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या नक्षम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सालमपुर गांव में 67 कनाल 5 मरले कुषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 3016 मित्तबर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवा शहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टडा

तारीख: 2-4-79

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निर्देश मं० ए० पी० 541/एनडब्ल्यूएस/79-80—यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में निखा है तथा जो कट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मित्रवर 1978

को पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रब्लू ह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के नियंत्रण पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रतिफल निवित में प्राप्तविह रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दूई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शार्टव्ट्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सार्वत्रीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरमीत कौर पुत्री बज्जीश मिह, प्रीतम मिह पुत्र बज्जीश मिह गांव कट तहसील नवांशहर। (अन्तरक)

2. श्री गुरमेज मिह पुत्र चैन मिह गांव कट तहसील नवां शहर। (अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अहंस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके उचित समाप्ति के प्रत्येक वायंवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबद्ध में काई भी आझेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कट गांव में 16 कनाल कुपि भूमि जैमा कि विलेख नं० 2863 मित्रवर 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

पी० ए० एन० मलिक,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भटिंडा

तारीख : 2-4-1979

मोहर :

प्रसूप प्राईंटी. एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 542/ब्रिट/7 9-80—यतः मेरे जी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत. भद्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ये यि:—

1. श्री धन्नासिंह पुत्र शरण सिंह पुत्र मन्तोप मिढ़ारा धर्म पाल मकान नं० 392, विल स्टेशन भटिंडा) (अन्तरक)

2. विमला देवी उर्फ कृष्णा देवी पत्नी 4 वन कुमार गोपल द्वारा अमर नाथ गोपल, गोपालल ट्रैक्सटाइल, डाक बाजार, भटिंडा) (अन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 के लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में है रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताधारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधिकार 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लान नं० 64, पावर हाउस रोड भटिंडा जैसा कि विलय नं० 3073 अगस्त 78 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

जी० एन० मलिक
मकाम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भटिंडातारीख 6-4-79
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 543/MKT/89-80—यतः मुझे
जी० एन० मलिकग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो धोसेवाल
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्राधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
नारीख जनवरी 1979। कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप से अधिक नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या ग्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;यतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-प्र के
ग्रन्तसरण में, प्र, उक्त अधिनियम की घारा 269-प्र का
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों अर्थात्:—1. श्री जसमेर मिह पुत्र सुखामिह पुत्र सुहेन सिंह मु०
न्यारसा पात्र और उत्ती मेहर मिह पुत्र हरीमिह गान लोखा
बुरद, जीरा।
(अन्तरक)2. श्री जगरूप मिह पुत्र केहर मिह पुत्र हरीसिंह शान
थान्डेवाल, मुक्तसर।
(अन्तरिती)3. जैमा कि नं० मे लिखा है (वह अवित जिम्के अधिभोग
में समाच्छि है)

(अन्तरिती)

4. जो अवित सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह अवित जिसके
बारे में अधीक्षिताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निये एतद्वारा नियंत्रिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या न्यम्बन्धी अवितयों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
ब्राद में समात होती है, के भोतर पूर्वोक्त अवितयों
में में किसी अवित द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अवित द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के
पास नियक्त में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्तसूची

धान्डेवाल गांव में 43 मे 1430 द्विषि भूमि जैमा कि विलेख
नं० 2697 जन 1979 रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी मुक्तसर
लिखा है।जी० एन० मलिक
मक्तम अधिकारी
महायकर ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भटिंडा

तारीख 6-4-1978

मोहर:

प्रकल्प भाई० टी० एन० एम०—

भारतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कार्यालय

दिनांक 6 अप्रैल 1979

निटेंग सं० ए० पी० 544 / 79-80—यत् मुझे
जी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यावत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन संघम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उबावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के नायालिय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जन० 1979

को उद्योग सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम रह दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्राकृत प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रमत्तरको) और प्रमत्तरिता (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-कम निम्नलिखित उल्लेख में उक्त व्यवहारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रत्यक्ष में हुई किसी प्राप्ति को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

प्रो/गा

(ख) ऐसो किसी प्राप्ति या किसी ब्रन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालंकरण के द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अल: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यक्षरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. मेजर सिह पूर्व चाव मिह पुत्र बलबीर मिह कोटकपूरा नह० फरीदकोट (अन्तरक)

2. गुरु नेग बदादुर बथा द्वारा मुख्यार मिह पुत्र जगरूप सिह पुत्र के हर मिह बासी कोटकपूरा (अन्तरिती)

3. जैमा कि न० के लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह नूचना जारी रहने के लिए सम्पत्ति के ग्रंथित के लिया कार्यवाही होना चाहिए।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के मम्बन्ध में कोई प्री आप्लिकेशन के लिया

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबोधन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए गए अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

सम्पूर्णकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

प्रनुसूचा

कोटकपूरा गाव में 34 म 6 म कृषि भूमि जमा कि विलेख नं० 2918 जनवरी 1979 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

जी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

तारीख 6 अप्रैल 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिंडा

दिनांक 6 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० पी० 545/FDK/79-80—यत मुझे
पी० एन० भलिका,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है

श्रीरजिमकी० मं जैमा कि अनुसूची मे लिखा है। तथा जो कोटकपूरा
मे स्थित है (श्रीर इसमें उपावढ अनुसूची मे और पूर्ण स्प
मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदोद
मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निक्षिप्त मे वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व मे किया करने या उससे बचने म सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—

1. श्री मेजर मिहू पुत्र चांद मिहू पुत्र बनबीर मिहू गाव
कोटकपूरा तह० फरीदकोट (अन्तरक)

2. मैम० जय नुर्गा भहता द्वारा हुक्म चन्द्र पुत्र गुरनदिता
मल पुत्र इन्दा राम गाव पूटर, मोगा (अन्तरिती)

जैमा कि नं० 2 मे लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधित
सोग मे सम्पत्ति है)

4 जो० व्यक्ति सम्पत्ति मे हचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिसके बारे मे श्रीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे
हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रांट के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजावत मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना गो नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अन्तरण मे न किसा अक्षित द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजावत मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रीहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे ।

संबोधण:—इसे पूर्वत शब्दों प्रारंभ पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभासित
है राम रंग द्वारा जा उक्त अध्याय मे दिया
गया है।

प्रनुसूची

कोटकपूरा गाव मे 34क-2म कृषि भूमी जैसा कि विलेख नं०
2917 जनवरी 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट मे
लिखा है।

पी० एन० भलिका
सकाम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज

तारीख 6-4-1979

मोहर:

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टाचार्य

तारीख 6 अप्रैल 1979

निवेदण सं० ए० पी० 546/GDB/29-80—यतः मृजे पी० एन० मनिक

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है जो गिट्टुबाहा में स्थित है (ग्रोडमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिट्टुबाहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अवैतः:—

1. श्री नरेन्द्र राम पत्र मिशनीराम पुत्र लक्ष्मण, गिट्टुबाहा (अन्तरक)

2. विजय लक्ष्मी पत्नी डा० राज कुमार जिन्दल, धर्मसाला नौम, मैल बजार गिट्टुबाहा (अन्तरितों)

3. जैमा फि नं० २ में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके अधिकारों में सम्पत्ति है)

1. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को मृज सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रन्य में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नस्मन्दनी अवक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवक्ति वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाड रोड, गिट्टुबाहा में 3 दुकान जैमा कि विलख नं० 940 अक्टूबर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिट्टुबाहा में लिखा है।

जी० एन० मनिक
मक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज

तारीख: 6 अप्रैल 1979
मोहर

प्ररूप आई० टो० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टा

भट्टा, दिनांक 6 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 541/MGA/79-80—यतः, मुझे,
पी० ए० प० मनिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इनमें इसके प्रचान्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में जिकर है। तथा जो
मोगा में स्थित है (और इसमें उपाबल अनुसूची में और पर्याप्त
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मितम्बर 1978

को दर्बोक्त मनाति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रति-
काल के लिए भ्रतिका की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त मनाति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकाल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तररक (अन्तररकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिकाल, निम्ननिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में
गतिशील है में क्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में अविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमनी पुष्पा रानी पत्नी भगवान दाम वासी न्यू टाउन
मोगा। (अन्तररक)

2. श्री कृपाल मिह पुत्र हरनाम सिंह और हरजीत कौर
पत्नी कृपाल मिह वासी मुदावपुर तहसील तरनतारन। (अन्नरिती)

3. जैमा किंन० ३ में है। (वह अवित जिस के अधिभाग
में सम्पत्ति है)

4. जो अवित सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह अवित
जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है या वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना बागे उक्ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितयों पर मूल्यना की
नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
गमान होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवितयों से से
किसी अवित द्वारा;

(ब) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधानाय 20क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होणा, जो उस प्रधानाय में
विदा गया है।

अनुसूची

मोगा जीत में एक गोदाम जैसा कि 1/3 हिसा जैसा
कि विलोख नं० 5175 मितम्बर 1978 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी
मोगा में लिखा है।

पी० ए० मनिक
मकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टा

तारीख: 6-4-79

मोहर:

प्रस्तुप्राइंटी ० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, विनाक 6 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ८० पी० ५४८/MGA/७९-८०—यतः मुझे
पी० एन० मलिकआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक हैऔर जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो मोगा
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
मित्तम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269-ग के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अदात—
5—46GI/79१ कुमारी ज पुत्री गंगा राम वामी न्यू दाउन मोगा
(अन्तरिती)२ कुमारी बर्सिन्द्र कौर पुत्री धर्म मिह पुत्र नद मिह मौर्गी
धर्म मिह नद मिह पुत्र गंगा मिह वामी कोठी नं० ११ खालसा
कालिज अमृतमर। (अन्तरिती)३ जैसा कि नं० २ में है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)४ जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन को अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मोगा जीत मिह में एक विलडिंग का 1/3 हिस्सा जैमा वि:
विलेख नं० 5174 मित्तम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
मोगा में लिखा है।पी० एन० मलिक
मलिक प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख: 6-4-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

भटिंडा, दिनांक 6 अप्रैल 1979

निवेदण मं० ए० पी० 549/MGA/79-80—प्रतं मुझे पी० ए० भूमिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो मोग में स्थित है (और इसमें उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण स्पृष्टि में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मित्रम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः—

1. श्रीमनी शीशा गनी पहनी ओम प्रकाश बासी न्यु टानन मोगा (अन्तरक)

2. श्रीमनी बलवंत कोर पा-नी धर्म मिह और रजिन्द्र मिह पूत्र धर्म मिह कोठी नं० 11 खालमा कार्यालय अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 2C के परिभाषित हैं वही प्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मोगा में १२ विलंडिंग गोदाम जैसा कि विलंडिंग नं० 5173 मन्त्रवर 1979 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी मोगा में लिखा है।

पी० एन० मणिक

मध्यम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा

तारीख: 6-4-79

मोहर :

प्रस्तुप्राई० दी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 16 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 550/FZR/79-80—यतः मुझे,
पी० ए० ए० मलिक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में निखा है तथा जो फिरोजपुर
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वरिणि है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परदृढ़ प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरको)
और प्रत्यक्षिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने वे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किनी पाय या हिसो धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें मार्टीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अवैतः—

1 श्री ठाकुर ग्रंजन सिंह पुत्र ठाकुर सोहन मिह फिरोजपुर।
(अन्तरक)

2 श्री श्रीणोक कुमार, नरेण कुमार पुवान ज्ञान चन्द्र
वासी फिरोजपुर। (अन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी रखके पूर्वोक्त अधिकारी के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यवर्ती में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तन्त्रमध्यन्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त अवधि वर्ती में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नमृत मड़ी क ननदी नारिया महल्ला में एक गम्भीर जैमा
कि विलेख नं० 2981 अगस्त 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फिरोजपुर में लिखा है।

पी० ए० मलिक
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण),
अर्जन रेज, भट्टडा

तारीख : 16-4-79

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 29 मार्च 1979

निर्देश नं० सी० ग० 5/एस० आर० हवेली/अक्टोबर
78/437—यतः मुझे, श्रीमती पी० सलवानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर मन्त्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए रुपए अधिक है,

और जिसकी संख्या फायनल फ्लार्ट क्र० 477 बी०/1-ग०
टी० पी० स्कीम क्र० III है तथा जो पूना में स्थित है
(और इसमें उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित
है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार
हवेली में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 16-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए प्रतिक्रिया गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
पूर्ण उपर्युक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा यात्रा गया प्रतिक्रिया निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निवित ग्रासनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) प्रन्तरग में हई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ब) ऐसी हिसी आय या हिसी धन या अन्य सास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
अधीन, निम्ननिवित अक्षियों, अथवा:—

(1) श्री युनयटेड कन्स्ट्रक्शन कं०, 722-ए०-बी०/
17, लक्ष्मी पार्क, पूना-30 (अन्तरक)

(2) श्री मनोद्वा महकारी ग्रहरचना सोमायटी लि०,
477-बी०/1-ए०, शाहू कालेज रोड, पर्वती
पूना-9 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
नियम अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्रांपटी:—फायनल फ्लार्ट क्र० 477 बी०/1-ए०/टी०
पी० स्कीम क्र०-III, पूना ।
धेत्र फल:—17-26 मीटर ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1817 दिनांक 16-
10-1978 को सब रजिस्ट्रार हवेली I के दफ्तर में लिखा
है) ।

श्रीमती पी० सलवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, रेज पूना

तारीख: 29-3-1979
मोहर

प्रस्तुत आद्वृत टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, 411005, दिनांक 29 मार्च 1979

निर्देश स० सी० ए० 5/एस० आर० हवेली /अक्टूबर-78/438—यसं मुझे, श्रीमती पी० ललवानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मंजूरा न्यू 667, सदाशिव पेठ, है तथा जो पुना 2 मे० स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार हवेली-I मे०, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप मे० कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की वावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रक्षरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने मे० सुविधा के लिए ग्रोरुप्या

(ख) ऐसी किसी ग्राम पाकिस्तानी धन या अमर आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिक्तों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

अतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम का धारा 269ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीत:—

(1) श्री मोमणा अड नाटेकर, रजिस्टर्ड फर्म, 685, रविवार पेठ, पुना-2। (अन्तरक)

(2) श्री गजानन को-आपरेटिव हैंसिंग सोमायटी लि०, न्यू० 667, सदाशिव पेठ, पुना-30 (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इम सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाले मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे० हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे० परिभाषित है, वही प्रयोग होगा जो उन अध्याय मे० दिया गया है।

अनुसूची

प्रॉफर्टी :—न्यू 667, सदाशिव पेठ, पुना-30।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1748 दिनांक 19-10-1978 को सब रजिस्ट्रार हवेली-I के दफ्तर मे० लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 29-3-1979

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना-411004, दिनांक 29 मार्च 1979

निर्देश म० सी० ए० 5/पृ० आर० हवेली I/जाने०-७९/४३—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पाचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट क्र० 7 अफ सर्वे० क्र० 110 नया 110 ए०) हिस्सा 1 एण्ड 9 ए० /2/2/2बी०/2बी० है तथा जो हडपसर, पुना में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार हवेली-I में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उन अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपनियम में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अन्तर, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रहीत।—

(1) श्री पी० एच० हिंगोरानी, 13, वीणा अपार्टमेंट्स, 776, भवानी पेठ, पुना-2 (अन्तरक)

(2) श्री गंगाधर मालपा काकामणी, प्लाट नं० 7, भवे० क्र० 110 (नया 110 ए०) एम० आर० पी० रोड, पुना-13 (अन्तरिती)

को यह पूर्वांग जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए रायबृहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आमेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पाम लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी :—प्लॉट क्र० 7, सर्वे० क्र० 110, नया (110 ए०) हिस्सा क्र० 1 9ए०/2/2/2बी०/2बी०, हडपसर, पुना-13।

क्षेत्रफल :—936.64 वर्ग मीटर।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 15, दिनांक 2-1-1979 को सब रजिस्ट्रार हवेली I के दफ्तर में पिला है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 29-3-1979

मोहर :

प्र० रुपर आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 29 मार्च, 1979

निर्देश में मी० ए० 5/एस० आर० हैवेली I/नोब्लेवर-78/440—यतः मृमें, श्रीमती पी० ललवानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी मंजूरी मध्ये क्र० 24, सब डिक्टीजन क्र० 1 (पी० टी०) मध्ये क्र० 24, सब डिक्टीजन पी० टी० एण्ड मध्ये क्र० 25 ए० है तथा जो सदाशिव पेठ, पूना में स्थित है (और इसमें उपावन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार हैवेली I में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तविक रूप से नियत नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसो हिसो आय या फिसो धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था उपराने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरमें, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री गणेश नितानश श्रीकोल्वर, व्रिकाम गविवार पेठ, नामिक, श्री गविवार श्राफ ग्रावी हास्टर, श्री अनन्त अवादाम कुलकर्णी, कान्दिनेटल, विजय नगर कालनी, पूना-30 (अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुम दामोदर रानडे, 3 श्री प्रवाश दामोदर रानडे, 1643, सदाशिव पेठ, पूना-30

(2) श्री मेमसं मगेश मेलडीज प्रायङ्गेट निं०, आय-नेकटर श्री दयनाथ दिनानाथ मेगेश्वर, प्रभु कुंज, पेडर रोड, वार्षे-26 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के प्रत्यंत के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी डाक्टि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विवर खेलीकी जमीन —मध्ये क्र० 24, सब डिक्टीजन क्र० 1 (मध्ये क्र० 24, सब डिक्टीडन I (पार्ट) अंड मध्ये क्र० 25 ए० सदाशिव पेठ पूना)।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2506 दिनांक 27-11-1978 को सब रजिस्ट्रार हैवेली I पूना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख: 29-3-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना-411005, दिनांक 29 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० हवेली-I/आकटो/78/441—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मंजुर्या फायनल प्लांट क्र० 129, 130, 131, 133 सी० टी० एम० क्र० 1398 एण्ड 140-बी०, हिस्सा पनवेल है तथा जो पनवेल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनूसूची म और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार पनवेल में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्री शामजी वै० जी० अण्डकं०, 7, धीर्घ्यार्नि भवनम, 1 फ्लोअर, केशवजी नाईक रोड, पनवेल (अन्तरक)

(2) श्री हिरेन लक्ष्मीचंद शहा, जीवन ज्योत, बिल्डिंग रेलवे स्टेशन के सामने धाटकोपर मुंबई क्र० 86 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

प्राप्ती :—फायनल प्लांट क्र० 129, 130, 131, 133 सी० टी० सर्वे क्र० 1398 एण्ड 1402-बी०, 1395 बी०, 1395 ए०, 1404 ए० (पार्ट) सर्वे क्र० हिस्सा क्र० 320 ए० 320 ए० पनवेल।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 201 दिनांक अक्टूबर 1978 को सब रजिस्ट्रार पनवेल के दफ्तर में लिखी है)

श्रीमती पी० ललवानी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 29-3-1979

मोहर :

प्रस्तुत धाई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1979

निर्देश नं 1/79-80—यत मूल्य, को० एम० वेकट
रामन,भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ध के
अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि व्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
में प्रधिक है।प्रीर जिसकी नं० कुली जमीन है जो 3-5-876 हैदरगाबाद
में स्थित है (प्रीर इसमें उगावड़ अनुसूची में प्रीर पूर्ण न्यू
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, हैदरगाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से
अधिक है प्रीर अन्तरक (अन्तरको) प्रीर अन्तरिती (अन्तरितिया)
त्रीव एसे अन्तरण के नियंत्रण पाया गया प्रतिफल,
निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—
(६) अन्तरण में दृई किसी भाव या बाइन उक्त अधि-
नियम व अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व
न कमी बरने गा उसमें वर्षमें में सुविधा के लिये;
ओर/रा।
(१) श्री कलाश चंद्रन पीता महाबीर परशाद घर नं०
8-2-626/६ रामता ने०-१ बनजार हॉलस,
हैदरगाबाद (अन्तरक)
(२) डाकटर-यम रवीन्द्रनाथ रेडी, वापुदेपली
जड़करला, महबूबनगर (अन्तरिती)
को यह सूचना तारी करके पूर्वोक्त सम्पाद के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के मध्यम में काई भी भावेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में
से किसी अविक्षिया द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़
किसी अन्य अविक्षिया द्वारा, अधोहस्ताभरी के पास
लिखित में किये जा सकें।
उपर्योक्तरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदो का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित है, वही अर्थ द्वारा, जो उक्त अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रभु प्राप्तियों
का निक्षेप भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक
के नियन्त्रण, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाब्द
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;
कुली जमीन घर नं 3-5-874 हैदरगाबाद, (प्लाट नं०
10 बीस्टे । 335 वर्ग यार्ड) रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3319/78
उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदरगाबाद।
को० एम० वेकट रामन
भक्षम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदरगाबाद

तारीख . 4-4-1979

मोहम्मद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्ननिवित अविक्षियों अधार्तः—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ने-2/79-80—यत सूचना के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन मक्कम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्तिश, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० 21-2-121 ता-131/2 है, जो गूलजार होज हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हूदबौली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1978 पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का व्याप्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी होता प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में लिए;

प्रतः पद, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधा (1) के अधीन, विनाशित व्यक्तियों प्रवादि :—

(1) श्रीमती रुक्मीनी बाई, घर-15-497 पीलकाना हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री मनगत गय पीना मूरारीलाल (2) मोसम्म पनेजन्द्र उम प्रकाश 21-2-109 चार कमान हैदराबाद (3) बालकीशन रद्दाबाद (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक सम्बन्ध में कोई भी ग्रान्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द विक्षिप्ति के पास लिखित में लिये जा सकें।

प्रष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नंबर 21-2-121 ता०-131/2 गूलजार होज हैदराबाद वीस्टेन 1122 वर्ग यार्ड र्जीस्ट्री दस्तावेज नं 917/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हूदबौली में

के० एस० वेंकट रामन,
मक्कम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद,

तारीख : 4-4-1979

मोहर :

प्रधान आई० टी० एन०एस०-----
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल, 1979

निर्देश नं० ने-3/79-80—यतः मूल्य, के० एस० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से प्रतिष्ठित है

ग्रोर जिसकी स० 1-2-524/3 है, जो कुली जमीन घर का
दीमलगूडा हैदराबाद में स्थित है और इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन अगस्त 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रोर मूल्य यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीत :—

(1) श्री स्वास्तीक बूलजैसी 1-2-524/3 दीमलगूडा,
हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती पदमा येम याटीया (गनतीनीकेतन),
27, वेस्ट मिडिल ली सीकीन्द्राबाद (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाचियों रखता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 13 मागर वी० घर नं० 1-2-524/3 दीमल
गूडा हैदराबाद वीस्टेन 316 वर्ग नीट रजीस्ट्री दस्तवज नं०
3138/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,
मक्षम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 4-4-1979

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1979

निर्देश स० ने 4/79-70—यत मूल्य, के० एम० वेकट रामन,

राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अंतीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी म० मलगी ने 14 है, जो 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद मे स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनु-सूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के नियंत्रित की गई है और मूल्य यह विष्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भल्लरक (भल्लरकों) और पन्तरियों (पन्तरियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) पन्तरण मे ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के पन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिणाने मे मुविज्ञा के लिए;

धरत: इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखता में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उण्डारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्ता—

(1) स्वास्थीक बूलडर्स, 1-2-524/3, दीमलगुड हैदराबाद। (अन्तर्क)

(2) श्रीमती पदमा येम बटीया पती शापती लाल बटीया (गनतीनिकेतन) घर न० 27, वेस्ट परिडपली, मिकीन्ड्राबाद। (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्विया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी ग्राहकों—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मलगी ने 14-मार्च घर न० 1-2-524/3, दीमलगुड हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज न०-3139/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद मे।

के० एम० वेकट रामन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1979।
मोहर।

प्रलूप प्राईंट टी० एन० एस०—

(1) स्ट्रास्टिक बिल्डर्स 1-2-524/3 डोमलगुडा

हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती श्री रत्नामाला घर नं. 15-5-671

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

म्रशोक बाजार, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1979

मं० 5/79-80—प्रतः मृद्दु के० एम० वेकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी म० कमरा नं० 116 है जो 1-2-534/3 डाम्पन-
गुडा हैदराबाद में स्थित है (श्रीगडमें उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीरर्ना अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 19 अगस्त 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युक्त यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम य
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनुसच्चो

कार्यालय कमरा न० 116 पट्टली मजिल पर मागर का
घर न० 1-2-524/3 डोमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्ता-
वेज न० 3142/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1979।

मोहर :

प्रश्नप्राई० टी० एन० एस०—

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, फिल्म 4 अप्रैल, 1979

सं० 6/79-80—यत मुझे के० एम० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी अधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 115/पहली सत्रा पर है, जो घर नं० 1-2-524/3, डोमलगुडा में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 78 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथार्थवाक्य सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) स्वास्तिक विल्डर्स, 1-2-524/3, डोमलगुडा, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाबाई, पत्नी एस० लिलमहेश, घर नं० 14-2-332/13, जान बाग, हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति ने अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस वृत्ति के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निवासी एवं व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अव्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 15 पहली सत्रा पर सागर बु० घर नं० 1-2-524/3, दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3141/78, उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन,
मक्षम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1979।

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, 9 अप्रैल, 1979

मं० 7/79-80—यत मुझे के० एस वेक्ट रामन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रतात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० प्रथिक है और जिसकी सं० दुकान न० एफ०सी० ५ है, जो सागर बुम्कान, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और गुण रूप में वर्णित है), जिसमें अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1978 को वॉक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल ३ लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के नियंत्रण पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति :—

(1) स्वास्तिक बिल्डर्स, 1-2-524/3 डोमलगुड़ा हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अम अनुराधा राज मकान नं० 3-4-379, लिंगामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वामर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० एफ०सी० ५ सागर बु० मकान नं० 1-2-524/3, डोमलगुड़ा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2140/78, उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेक्ट रामन,
मक्षम अधिकारी,
महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद.

तारीख: 9-4-1979

मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अप्रैल, 1979

मं० 8/79-80—यतः मुझे के० एम० वेकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रि निपक्ति उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० मलगी नं० 205 है, जो सोगर वु मधान हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(घ) ऐसा किसी धारा या किसी धन या बन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जति।—

(1) स्वास्तिक विल्डसे, 1-2-524/3, डोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरित)

(2) श्री तेराला वेकट श्वरलू, 1-1-164, अलैकैजैडर ग्रास्टा, मिवन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में नों भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी स्वविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से इसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

व्याप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय के द्विया गया है।

अनुसूची

कार्यालय कमरा नं० 205, दूसरी मजिल पर मागर वु-मकान नं० 1-2-524/3, डोमलगुडा, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3143/78, उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एम० वेकट रामन
मध्यम अधिकारी
महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद
तारीख : 9-4-1979।
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अप्रैल 1979

सं० 9/79-80—यतः मुझे, के० एम० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 204 है जो मागर वु मकान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरूप के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, घर्यतः—

7-46 GI/79

(1) स्वास्तिक बुलडसे घर नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा
हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती तेरामा मरोजीनी पती वेंकटेश्वरन
1-1-164 अलंकजनडर रास्ता सिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 204 सागर वु-मकान नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री बस्तावेज नं० 3144/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-4-1979।

मोहर:

प्रस्तुप लाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

प्रज्ञन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अप्रैल 1979

सं० 10/79-80—यसः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-5-420/1 है, जो हीमायत नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्कह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरण के लिए सभी पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भागितायों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-व के अनुसरण में, ऐसे उक्त अधिनियम की ओरा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती जहान आरा वेराम, घर सं० 3-6-420/1, गली नं० 3, हीमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सईदा नसीरा घर नं० 3-6-420/1, हीमायत नगर हैदराबाद।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ द्वारा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का सता का घर नं० 3-6-420/1, जिसका भाग है। वस्तावेज 247 वर्ग यार्ड हीमायत नगर हैदराबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज सं० 3014/78, उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,
मध्यम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-4-1979

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंट ट्री. एन. एस. --

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1979

सं. 11/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मर्वं नं० 71 और 66 है, जो करनूलपटा करनूल में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स प्राधिकारी के कार्यालय, करनूल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्ननिम्नित इदेश से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के विविध विधि करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की वारा 269 व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की वारा 269 व को उपचारा (1) के प्रधीन, निम्ननिम्नित व्यक्तियों, पर्याप्त—

(1) श्री यू० आर० सीदेश्वराप्पा, पिता अपमी पंदा नागप्पा, करनूल ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री जी० यं रहीम, 2. रेडी महेश, 3. हुसेन अस बी० ओ० सोसायटी, करनूल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आप्तेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की प्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

3 एकड़ खूली जमीन सर्वं नं० 71 और 66 में है, करनूलपटा करनूल में है रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2170/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय करनूल में है ।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी १०० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1979

सं० 12/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० बी०/एफ०-4 है, जो धीरामली लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पलद्ध प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269व के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269व की उपधारा (1) के अधीन तिनों वेता अधिकारी पर्यात् । । ।

(1) श्रीमती पुष्पलता पारमर, एसोसिएटेड बिलडर आवीद रास्ता, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सकीना बशीरीबीन ओमद, 11-4-169/8, बजारगाट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अज्ञन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अज्ञन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें अविलम्बे पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममात्स होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अपक्रिया द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ हैं जो उम अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

प्लाट नं० बी०/२/एफ०-४, पुनम अपराट मैनेट धीरारमली लेन हैदराबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 3070/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 12-4-1979।

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निवेश सं० 13/79-80—यतः मुझे, के० एस० वेंकट
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-30/1/40 एण्ड 40ए० है, जो
बशीरबाग स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथायौक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया अनिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कित्त
नहीं किया गया है:—

(का) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमों करने या उसमें बदल में सुविधा
के लिए, और/या

(ख.) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मक्की किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपस्थाना (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अप्रैल:—

(1) श्री सुरजीत सीनरा लामबा, 5-9-30/1/40 और
40 ए० बशीर बाग हैदराबाद (अन्तरक)
(2) श्रीमती ईश्वरी बाई, पत्नि कानधेनद (2)
श्री लेकराज पिता कानधेनद, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना भारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारीयों में से किसी अधिकत द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोइस्ताक्षरों के पास
निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खाली जमीन और घर नं० 5-9-30/1/40 और 40ए०
बशीरबाग के पास है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3382/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय येग जो मार्कोट हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 12-4-1979
मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 268-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० 14/79-80—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भाग 3-4-178 है, जो लीमगय पली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे अधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर लेने के प्रत्यरक्त के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 268-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 268-ए की उपबादा (1) के अधीन निम्नलिखित अवितर्यों, अर्चात् :—

(1) श्री सीताराम अपदेश पूरकर 3-4-178 लीम रामपली, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री सी० पदमावती पति डाक्टर लक्ष्मन राय 3-4-178 लीनरामपली हैदराबाद, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावेंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितर्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितर्यों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित-बद्ध किसी अन्य अवित द्वारा, अपोहस्ताकारी के पाउ लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर का भाग के 3-4-178 लीनरामपली हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3091/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-4-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एस. —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1979

निर्देश सं. आर० ए० सी० नं० 15/79-80—यतः
मुझे, के० एस० बैंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से
प्रधिक है

और जिसकी सं. दुकान नं० 6 प्रेमिसेस नं० 5-8-524
है, जो जगवीश मार्केट हैदराबाद स्थित है (और इससे
उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अगस्त 1978 में

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्ई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावेद
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविष्टयों, अर्थात् ।—

(1) श्रीमती लक्ष्मी बाई पल्लि जगदीश परशाद
मकान नं० 21-1-293, रिकाव गंज, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री मास्टर रमेश कमार रत्नलाल (जी०पी०ए०)
मकान नं० 21-1-281, धानमी बाजार, हैदराबाद
(अन्तरिती)

(3) श्री गोविंदराज राष्ट्रमल मुखि, दुकान नं० 6,
5-8-524 में, जगवीश मार्केट, हैदराबाद
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6 प्रेमिसेस नं० 5-8-524, जगवीश
मार्केट हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3359/78 उप
रजिस्ट्री कार्यालय मोहंजाहि मार्केट, हैदराबाद में।

के० एस० बैंकट रामन,
नक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-4-1979

मोहर :

प्रारूप शाई० टी० एम० एस०-----
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० 16/79-80—यत मुझे, के० एस० वेंकट-
रामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-520 व 520/1 भाग शाप नं० 6 जोधीरागली लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया जाया प्रतिफल विनाशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया था।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के शायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपर्याप्त, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के पश्ची, अन्तरित अविकारी, पर्याप्तः—

(1) श्री तारामनी पति गीरीराज मोयल, 5-3-1053 शन्कर बाग, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) मास्टर रवीन्द्रा कुमार (मैनर) श्री रत्न लालजी रकवाली 21-1-281 छानसी बाजार, हैदराबाद (अन्तरिती)

(3) श्रीमती भी भारती बाई पति राजेश राय, 5-8-520 धीरागली लेन, हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्व अविकारों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकारों में से किसी अविकार द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अविकार द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रायाय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 6 घर नं० 5-8-520, 520/1 और 520/2 धीरागली लेन हैदराबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 3360/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 12-4-1979
मोहरः

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एम. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1979

निर्देश सं. 17/79-80—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 3-6-291 का भाग है, जो हैदरगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन आगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपर्युक्त में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाब्द अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मे. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-46GI/79

(1) श्री दीपक गंगाधर गदरी, 725 एस बी० नगर पुणे (अन्तरक)

(2) 1. श्री परमजीत सिंह
2. जमबीर सिंह पत्रगण हरभजन सिंह घर नं० 21-3-291 पेट्टनाबुरज हैदराबाद (अन्तरिती)

(3) दी डायरेक्टर बेकार्ड क्लामिज वेलफेयर हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजन्त के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सप्तसप्ताही व्यक्तियों दर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अन्तिम द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

वर नं० 3-6-291 का भाग हैदरगुडा हैदराबाद में रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 3275/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सकाम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबादतारीख 12-4-1979
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सचिवक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० 18/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानवाल सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-291 है, जो हैदरगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन आगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाणह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः:—

(1) 1. गंगाधर बालकृष्णा गाथरे 2. दीपक गंगाधर गढरे, घर नं० 725 एस बी० नगर पुने (अन्तरक)

(2) श्री हरभजन सिंह घर नं० 21-3-291 पेटलाबुर्ज हैदराबाद (अन्तरिती)

(3) वी डायरेक्टर वेंकवड कलासिज वेलफेर हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोधकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-291 भाग है हैदरगुडा हैदराबाद रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 3276/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद

के० एस० वेंकट रामन,
मक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख 12-4-1979
मोहर:

प्रकल्प ग्राही ० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० 19/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2-1-487 से 487/3 है, जो नला-
कुनटा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह किश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तररक्षा)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
याद गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, लिपाने
के सुविधा के लिए;

यतः यथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवधियों पर्याप्तः—

(1) डॉक्टर एम एस० डोनहे घर नं० 5-9-31/ए
बधीरबाग हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० वसुनदरा पती स्वंगीय पी० पी० सूर्यराव
2. पी० वेनकटारत्नाकरम पिता पी०पी० सूर्य राव
घर नं० 3-4-257 काचीगुडा हैदराबाद (अन्तरिती)

(3) श्री जी० सूर्य राव 2. के० रंगराव 3.
पी० मोहन राव 2-1-487 नलाकुनटा
हैदराबाद
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

दण्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 2-1-487, 487/1, 487/2, 487/3, नला-
कुनटा हैदराबाद रजीस्ट्री स्टेबेज नं० 3100/78 उप
रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,
मकान अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-4-1979
मोहर:

प्रह्लप थोर्डॉ टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अप्रैल 1979

निर्वेश सं० 20/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सम्मान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 4-1-938/आर० 6 से आर० 8 है जो तिलह रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से इसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिकर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसा किया आय या किया बन या मन्य प्राप्तियों का जिन्हें मार्तीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब को उपचारा (1) के अधीन, में निम्नलिखित व्यक्तियों अवति :—

(1) मैसर्स श्री कृष्ण कन्ट्रॉक्शन कम्पनी 5-8-612 आविद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप कुमार 15-9-60 महाराज गंज हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के नंबर में होई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा एवं अपार्टमेंटों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट चौधी मंजिल पर 1354.80 वर्ग फुट है घर नं० 4-1-938/आर०-6 और 8 है। तिलक रोड हैदराबाद में रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 2901/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-4-1979

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टो० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अप्रैल, 1979

निवेश सं० 21/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प्र
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 22-7-269/14 है, जो सालार जग
देवडी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय आजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1978
को पूर्विक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरको) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से ही किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कमी रहने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र के अनुसार में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविषयों, अवृत्त:—

(1) मैसर्सं शहू बिल्डर्स, 22-7-279/3 दीवान
देवडी, हैदराबाद (अन्तरक)(2) श्री पुरुषोत्तम दास पिता महावीर परणाद 14-2-
389 रकाबपुरा हैदराबाद (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्तवाद:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भानर पूर्वोक्त अविक्तियों
में से किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।एवंटीकरण:—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में
परिचायित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अन्तर्गत में विद्या गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 22-7-269/14 जमीन की सतह पर
मालार जग मारकीट दीवान देवडी हैदराबाद में रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 2084/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा
हैदराबाद में।के० एस० वेंकट रामन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबादतारीख: 16-4-1979
मोहर:

प्रख्यात प्राईटी एन० एस०-----

व्याकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 22/79-80—यतः मुझे के० एस० बैंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवार उक्त अधिनियम कहा गया है), की आदा 269-घ के अधीन संपत्ति प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 22-7-269 है, जो सालार जंग मार्कीट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, आजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1978 को पूर्णसंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहुए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की आदा 269-ग के प्रनुसारण में, उक्त अधिनियम की आदा 269-घ की उपादारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स शाह बिल्डर्स, 22-7-269/3 दीवान देवडी हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री हेमराज पिता रामराज 21-1-687 रीकाब गंज, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी सालार जंग मार्कीट दीवान देवडी हैदराबाद में रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 2085/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय आजमपुरा हैदराबाद में।

के० एस० बैंकट रामन,
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-4-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० 23/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 6-1-67/1/3 है, जो पछिलक गार्डन रास्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन अगस्त 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रम के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पूर्वद्वय प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तररक्त (अन्तररक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निवित में वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्याय की वाचत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के बावजूद के वायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी इन या अन्य आतिथ्यों को, जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्नकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुसूचित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपशारा(1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात्:—

(1) डाक्टर मीर मसूद अली 5-8-89 गदवाल रानी कंपाउंड नामफ्ली हैदराबाद (अन्तरक)
(2) विजय कुमार श्रस्थाना 31-4-726 कोका-की-टाटी हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी अवधि द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निरे जा सकेंगे।

उपर्युक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में पराभाषित हैं, वही प्रथं होगा जा उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 6-1-67/1/3 दो मंजिले पर का भाग पछिलक गार्डन रास्ता हैदराबाद रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 23/3/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-3-1979
मोहर :

प्रस्तुत ग्राही टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अप्रैल, 1979

निवेश सं० 24/79-70—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामनआपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये में अधिक है,
और जिसकी सं० 22-7-269/15 है, जो दीवान देवडी
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 14-4-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायूर्ध्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
मिलनलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कठित नहीं किया गया है:—(क) अस्तरण से तुझे किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अनुरक्त के वायिष्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ल) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य पालियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;ग्रन्तः ग्रन्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्तः—(1) मीरसं शाबुलडस 22-7-269/3 दीवान देवडी
हैदराबाद
(अन्तरक)(2) श्री राय कुमार पीता जीत मल 21-6-487
गनसी बाजार हैदराबाद
(अन्तरिती)को यह सूचना बारों तक प्राप्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जी जाषेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिकता द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।एप्पलीकेशनः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अन्य
होता जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 15 घर नं० 22-7-269/15 सालार जंग
मारकीट दीवान देवडी तदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2145/
78 उप रजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा में।के० एस० वेंकट रामन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबादतारीखः 16-4-1979
मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० 25/79-80—यतः मुझे के० ए० स० बैंकट
रामनशायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एप्स से अधिक हैऔर जिसकी सं० 22-7-269/46 है, जो दीवान देवडी
हैदराबाद में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री नं० अधिकारी के कार्यालय,
आजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1978 कोपूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय शायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, असौतः:—

9—46GI/79

(1) मैमर्म शह बुलडर्स, 22-7-269/3 दीवान
देवडी हैदराबाद (अन्तरक)(2) श्रीमती राज कुमारी आई पती रत्न लाल 21-1-281
गमसी बाजार हैदराबाद (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 46 घर नं० 22-7-269/46 सालार जंग
मारकीट दीवान देवडी हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2267/
78 उप रजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा में।के० ए० स० बैंकट रामन,
सक्षम अधिकारी
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-4-1979

मोहर:

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अप्रैल 1979

निर्णय सं० 26/79-80—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 5-9-54/76 है, जो बीर बाग हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य श्रन्मूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी फरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती गोगीया वेगम पती मोमीत खान 22-3-441 मनडीमीर अनिम हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री जी० मतद्या, जी० रगुनाथ, जी० आननद घर पिता कोस्टम्हान नं० डी० 34, बनसीलालपेट मिकन्दाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधिसनाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के प्रधाया 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस प्रधाया में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-9-54/76 बनकरतीपुल बाग बशीर बाग हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3264/78 उपरजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक प्राकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-4-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निदेश सं० 27/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट-
रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक हैऔर जिसकी सं० 4-1-700 ता० 701 है, जो जामवाग
रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
शौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाण प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रना आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रति, प्रति, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपचारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अंकितियों, अर्थात् :—

(1) श्री अशोक राम राउ कीरातकर 12/12 शीवाजी नगर, पूने-4। (अन्तरक)

(2) श्री गंगाधीपन यारदा 4-4-205 मुलतान बाजार हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-700 ता० 701 जामवाग हैदराबाद में
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3491/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 28/79-80—यतः मुझे के० एस० बेंकट
रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 206, 209, 210 जमीन नं० है, जो
नाचारम गाऊँ: हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 1) के अधीन अगस्त
1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;यतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेजर महकद पंसानीदीन हुसेन 5-8-594 आबीद
रास्ता हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) दी मीवारामा कीशणा कवापेरटु हॉर्सिंग
सोमाइटी 12-5-12/2 बीज्यापुरी तार नाका
मिकन्डाबाद (अन्तरिती)
- (3) दी एच० एम० टी० ऊहमग हीजीशा सोसेटी
हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौहस्तान्त्री के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही प्रथम होगा, जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2/5 योग्य है 78 एकर्स 30 गुनटा का ए० जीरायती
जमीन है। सर्वे नं० 206/4, 209, 210 211/2 वर्गरा के
उम्मे बीस्तेन हैं। 31 एकड़ी 20 गुनटा नाचारम गाऊँ
में रजीस्ट्री दस्नावेज नं० 3067/78 उप-रजीस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० बेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख : 18-4-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी ० एन० एस० —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 29/79-80—यतः मुझे के० एस० बैंकट
रामनग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 182, 184, 206/4 वर्गेरा है, जो
नाचारम गाऊ, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुमूली में और पूर्ण स्वयं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त
1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरिक्ष) और प्रत्यक्षित
(प्रत्यक्षित) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम को बाबन उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या ग्रम्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-प के अनुसरेण
में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-प की उपघारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, घर्षत ।—

- (1) महबुबनीमा वेगम
(2) बगीश्नीमा वेगम
(3) अपमलनीमा वेगम } कोनग कीटी हैदराबाद
(अन्तरक)

- दी मीवारामा कीशण ब्वापरेटु हैसिंग सोसाइटी
12-5-12/2 वीज्यापुरी तारनाका मिकन्द्राबाद
(अन्तरिती)

- दी० एच० येम० टी० अऊध्येम ब्वापरेटु हैसिंग
सोसाइटी, हैदराबाद । (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग से मंपत्ति है)

को यह सूचना आरो करने पूर्वी सम्पत्ति के अधिन के
निए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के संबंध में कोई भी ग्रामेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्रामित
है, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

3/5 वीयाग जीरायती जमीन 78 एकड़म 30 गुनटा
मरवे न० 182, 184, 206/4, 192/1 वर्गेरा वीस्टेन
47 एकड़म 25 गुनटा नाचारम गाऊ रजीस्ट्री दस्तावेज न०
3075/78 उप-रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ।

के० एस० बैंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
कार्यालय सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-4-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 30/79-80—यतः मुझे कें० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० 1-11-220/9 है, जो वेगमपेट सीकीन्द्रा-
बाद हैदराबाद स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ओर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ओर यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के
अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री डी० वी० रमनारेड्डी घर नं० 1-11-220/9,
वेगमपेट हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्री डॉक्टर येस० गोपाला वृष्णा 109 सरोजीनी-
देवी रास्ता सीकीन्द्राबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंबाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 20-क में परिभाषित हैं, यही
मार्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-11-220/9 वेगमपेट सीकीन्द्राबाद में वीस्टेन
285 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1974/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

कें० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 18-4-1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 31/79-80—यतः मुझे के० एस० बेंकट
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि शासकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 18 है, जो 1-11-252/1
बेगमपेट में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीहर्ट अधिकारी के
कार्यालय, सीकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य मासितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

(1) श्री मीर्म जम्मार रीयल स्टेट 54, नाल्लागुटा
सीकीन्द्राबाद । (अन्तर्व)

(2) श्रीमती मीरीगुरी रुक्माबाई 2-2-1122/3 नथा
नलाकुन्डा हैदराबाद । (अन्तर्गती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 18 घर न० 1-11-252/1 बेगमपेट,
सीकीन्द्राबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज न० 2050/78 उप-
रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में ।

के० एम० बेंकटरामन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 18-4-1979

मोहर:

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश मं० 32/79-80—यत मुझे, कै० एम० वेंकट
रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी स० मरवे नं० 157/7 है, जो नाकीटागड़ सीकीन्द्राबाद स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टरी अधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्त:—

(1) श्री (1) के० चेनारेड्डी कुमार गुटा सीकीन्द्राबाद
(2) के० यादी रेडी घर नं० 19-3-262/2 ए०, पमकनुमा हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) मेस० इश्वर रेडी तीकाटा गऊ सीकीन्द्राबाद (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन वीलर नं० 3.35 येकमे सरवे नं० 157/7 तीकाटा गाउ हैदराबाद अरबन तालूक में है रजीस्ट्री इम्प्रेंज नं० 2126/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

कै० एम० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-4-1979

मोहर:

प्रस्तुति आई०टी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत राजकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बम्बई

बम्बई दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश मं० ए० आर०-III/प० 285/78-79—अन्तः
मुद्रे, वी० ए० ए० शेपाड़ी,भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-य
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
लप्ते में अधिक हैश्रीर जिसकी मं० कॉर्पैट नं० 3 ए०ट नं० 424 10 वी०
रोड चैम्बूर, सर्वे नं० 1273 (1 में 3) हैं तथा जो चैम्बूर
में स्थित है (श्रीर डम्पे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 7-8-1978 डाक्यूमेंट नं० ए० 78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिशत को गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि वयापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रान्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से दुई किसी भाय या की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने पा उसमें बचने में सुविधा के लिए,
प्रौद्योगिकी(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या सम्पत्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरितो द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

(1) श्री शंकाराम लक्ष्मण मग्न
(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बीता लक्ष्मी रामचन्द्रन, राजलक्ष्मी
राजशेखर।
(ग्रन्तरक्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
मूल्यानुसूची से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षितात्मकी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैमा कि विनेश नं० 899/78 बम्बई
उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 7-8-78 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

वी० ए० शेपाड़ी,
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, बम्बई

दिनांक : 27 फरवरी, 1979

मोहर:

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की वधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रारूप भाई० डी० एन० एस०————

(1) बेरामजी जीजी भाय प्रा० नि० ।

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० ४० आर० III/ए० पी० 286/78-79—अतः
मुझे वी० एम० शेषाद्री,

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है नि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे मं० 41 के ब्लाक ई० है तथा जो श्रोतिवरा गांव में स्थित है (प्रौढ़ इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-8-1979 विलेख नं० 6448/78 को पूर्वोक्त वृत्तिकारी के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, प्रौढ़ अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में बास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कोई करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या पन्द्रह आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 22) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व को उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अवृत्त:—

(1) 1. मतीश भाई० पटेल, 2. पुष्पा बेत डा० पटेल, 3. मनीभाई भाई० भाई० पटेल, 4. फकीर भाई० सोमा भाई० पटेल, 5. भास्कर भाई० के० पटेल, 6. विनंती बेत के० पटेल, 7. गुणवंत भाई० के० पटेल, 8. अनिला बेत अंबालाल पटेल, 9. दयाभाई० ई० पी० पटेल, 10. गोरखन-1 भाई० के० पटेल, 11. किशोरभाई० प्रभुदाम पटेल, 12. मनिभाई० के० पटेल, 99. जवाहर नगर गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-62 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एकीकृत समाति के प्रजन्त के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त समाति के प्रजन्त के अन्वेषण में रोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना न गवार में रहागा को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वम्बद्धी अस्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर तूर्वोच्च अस्तियों में से किसी अस्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अस्तित्व द्वारा, अधीक्षणाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोच्चरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ राजा, जा उक्त प्रधिनियम, के अन्तर्याम 20-क में परिभाषित हैं वही पर्याप्त शब्दों जो उस प्रकाश में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० सं० 6448/78 बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 4-8-1978 को रजिस्टर्ड किया है।

वी० एम० शेषाद्री,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III बम्बई।

दिनांक: 28-2-1979

मोहर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एम०————

(1) श्री वैरामजी जीजी भाय प्रा० लि०

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री गोरखनाथाई के० पटेल ।

(अन्तरिती)

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज ३ बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० आर० III/ए० पी० 287/78-79—अन्, मुझे, वी० एम० योषाद्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-प्र के प्रधीन मध्यम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर ममति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट न० 34 से 37, मर्वे स० 41 है तथा जो ओमिंबरा गाँव में स्थित है (ओर ३में उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908-16) के प्रधीन दिनांक 4-8-1978 विलेख न० 6451/72 को पूर्वोक्त ममति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकरण के लिए प्रतिशिक्षण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त ममति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकरण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिशिक्षण (प्रतिशिक्षणों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या स्वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसरण में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों परीक्षा:—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ममति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त ममति के अर्जन के मन्दन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ममति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 6451/72 बम्बई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 4-8-78 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० ए० योषाद्री,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, बम्बई

तारीख: 27-2-1979.

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, बंबई
बंबई दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० आर०III/प० पी० 288/78-79—
यतः मुझे वी० ए० शेषादी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० ई० 38 से 44 मर्ड० सं० 41 है तथा जो ओविंग गांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-8-1978 विलेख नं० 6454/72 को पूर्वोक्त प्रधिनियम के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुति को गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्व प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(1) बेरामजी जीजी भाय प्रा० नि० ।

(अन्तरक)

(2) श्री किंगोर भाई प्रभुदाम पटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी हरके रूपोंका नामानि के प्रति के लिए कार्यवाहियां करता है।

इस सम्पादन के अंत्रिन के मंदिर में कोई भी पार्श्वः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्समांत्री अविक्षियों पर सूचना और तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियम में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रथ्य अविक्षित द्वारा, प्रवोहस्तान्तरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वार्थीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रथम 20-क में परिभाषित है, अद्वैत अथ होता, जो उस प्रथाप्रमेण दिया गया है।

(क) असरण से ही किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य अधिनियमों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तुति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 6454/72 बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 4-8-78 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों पर्याप्तः—

वी० ए० शेषादी,
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-III, बंबई

तारीखः 27-2-1979

मोहर :

प्रस्तुत प्राई. टो० एन० एन०—

(1) श्री बैरामजी जीजीभाय प्रा० नि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री डायाहंभाई पी० पटेल।

(अन्तरिती)

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बंबई

बंबई, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० आर०-III/ए० पी० 289/78-79—
यह सूचने वी० एस० शेपादी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख
के प्रधीन संकाय प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० २६ में ३३, सर्वे सं० ४१
है तथा जो श्रोतीवारा गाव में स्थित है (श्रोत इसमें उपावड्ह
अनुसूची में और पूर्ण स्वप्रमाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन तारीख 4-8-
1978 को, विलेख नं० 6455/72 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए प्रत्यारित को गई है और मुझे पहले विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, देशे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में बास्तविक
स्पष्ट से नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की धारा उक्त
अधिनियम के प्रधीन करने के अन्तरक के
शायत्व में कमी करने या उसमें बचत में मुश्किल
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के
लिए;अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की संधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालय करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यन्द में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि तथा नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से हिसी अक्षित द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र तथा प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लालित में किए जा सकेंगे ।प्रबोक्षणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होंगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० सं० 6455/72 बंबई¹
उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 4-8-78 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।वी० एस० शेपादी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, बंबई,तारीख 27-2-1979.
मोहर.

प्रक्षेप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, बबई

बबई, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० आर० -III/ए० पी०-२९०/७८-७९—
अतः मुझे, बी० ए० स० शेषाद्वी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269वा के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से
अधिक है

और जिसकी म० प्लाट न० ई० 46,48 में 56, मर्वे सं० 41
है तथा जो अधिकारी गाव में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से विवरित है), रजिस्ट्रीकरंट अधिकारी के कार्यालय
बबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 4-8-1978 विलेख न० 6458/72
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे विश्वास के पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से मुझे किसी भाव की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगसार्थी
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की ओरा 269वा के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की ओरा 269वा की उपलाई (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, पर्याप्त:—

(1) श्री बैरामजी जीजीभाय प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री मनीभाई के० पटेल।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबैध में कोई भी ग्राहकः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों
में से किसी अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोदृसाक्षाती के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हितबद्धता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुख

अनुसूची जैसा कि विलेख न० 6458/72 बबई उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 4-8-78 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

बी० ए० स० शेषाद्वी
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-III, बबई।

तारीख: 27-2-1979

मोहर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेंज-3, बम्बई

बंबई, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निर्देश मं० ए० आर०-III/ए० पी०-291/78-79—
अतः मुझे वी० एम० शेषधारी,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3 सर्वे नं० 131, सी० टी०
एम० न० 1309/3 है तथा जो वरोमदा गांव में स्थित है
(और इसमें उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-8-1978, विलेख नं० एम० 979/74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, 'छिपाने में
सुविधा के लिए;

गत: यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों अर्थातः:—

(1) श्री अनुसूची कन्तालाल शाह।

(अन्तरक)

(2) अनुसूची प० के अनुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञा के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहाँ अर्थ ही गा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० सं० 979/74 बम्बई
उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 1-8-78 के रजिस्टर्ड
किया गया है।

वी० एम० शेषधारी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, बम्बई

तारीख: 28-2-1979,
मोहरः

प्रसूत भार्टी टी. पृति. एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारंभ
269 अ (1) के प्रधीन सुनना

भारत सरकार

बंबई दिवांक 28 फरवरी 1879

निर्देश सं० १० आर०-III/ग० फी०-292/78-79—
अतः मुझे दी० एम० शेपाड़ी,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्यास
करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मत्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 7 (अंग) शाखा एसटेट के है तथा जो मरोन गांव में स्थित है (और इसमें उपावड्ह अन्तर्मुखी में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-8-1978, विलेख नं० एस० 939/78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यसापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि प्रत्यक्षित (अन्तरकों) और प्रत्यक्षिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे व्यापरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किया गया है :—

(क) अम्लरेत्र से हुई किसी घाव की वात्स, उपर ग्रंथि-
मिथम, के घटीम कर देने के अम्लरेत्र के वायित्व
में कर्मा करने या उससे बचने में मूलिका के लिए;
ओर/या

(ब) ऐसी किसी भाष्य या किसी घन या ग्रन्थ भास्तियों को जिसे भारतीय भाष-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके प्रतिनियम या भ्रष्ट-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रथम उक्त व्यवित्रियम की धारा 269ए के अनुसरण में, मैं, उक्त व्यवित्रियम की धारा 269 घ की उपलब्धारा (1) के अधीन निम्नविवित व्यवित्रियों वर्यति :—

(1) 1. श्री क्षीरान लाल एम० मरवाह, 2. श्री राजेश वरनाल के मरवाह, 3 श्री शुभीन के मरवाह।
(अन्तरक)

(2) मैमर्स भल्होत्रा भिन्नक भिन्नम।
(अन्तरिती)

(3) मैमर्स भल्होत्रा भिन्नक भिन्नम।
(वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में
मम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके यूरोपिन सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यशालिया फरता है।

उक्त विद्यानि के पर्याप्त विवरण में स्थोर ना पाये। :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ण व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजभव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी पन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सप्तरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-के परिमाणित हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में विद्या गया

प्रसादी

ग्रन्तिप्राप्ती जैसा फि विनेश्वर नं० 939/78 बम्बई^१
उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 17-8-78 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

वी० एम० शेषाद्वी,
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-III, बंबई।

तारीख : 28-2-1979,

मोहर ;

प्रकाश आई० टी० पैन० एम०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269 अ० (1) के अधीन सूचना

भारत प्रकाश

कार्यालय, महायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० आर० II/2639-17/अगस्त, 78—

अतः मुझे, वी ए० म० शेषाद्री,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269 अ० के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे म० 211-सी०, हिस्सा सं० 1 और 2 सी० टी० सर्वे सं० 541 है तथा जो विले पाला में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-8-1978 विलेख नं० 3141/72/आर० को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-निर्दिष्ट उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरा० १। हुर्द किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में ५ मी० १० न या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) एसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिस्ते भागीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की ओरा 269 अ० के अनुसरण में, म उक्त अधिनियम, की ओरा 269 अ० की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्द्धतः :—

(1) 1. श्री सदस्तीन मुहम्मद नाना वटी 2 अब्दुल अजीज फजलमाय राजवानी (अन्तरक)

(2) श्री रतनदास कॉमेपोली टीयन कु० घ० सीमायटी निमिट्ट (अन्तरिती)

(3) रतनचन्द्र खान चन्द्र मारोह, 2. मिसेस हेनकुवार ग्राय दवे, 3. इमालीम सुलेमान इसेन पटेल, 4. श्री ए० एल० दलाल, 5. डा० एस आर० प्रधान, 6. श्री के० एच० केजरलवाला, 7. मिसेस

तारावती एच० मेहरा, 8. श्री हेमराज मेहरा, 9. श्री एस० फर्नान्डीस, 10. मिसेस राधिका के पंजाबी, 11. मिसेस निर्मला शीलचन्द, 12. श्री सी० एन० चाचड, 13. जार्ज दुर्गा कंस्ट्रक्शन कं०, 14. श्री आर० एल० पायस, 15. श्री आर० डी० पी० वसवार जार्ज दुर्गा कंस्ट्रक्शन कं०, 16. श्रीमती एम० आर० परमार, 17. श्री जी० बेंकटरामन, 18. श्री के० ए० मिसेस जब्देरी के० ए० म० जब्देरी के० दौन गरेजीस जब्देरी अन्ड कं०, 19. श्री ए० म० डी० मोहिते, गरेज, 20. भारतीय विद्या भवन, 21. सी० के० बेंकटरामन, 22. आर० के० कश्यप, 23. मोहिते, 24. वसन्त,

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) 1. ए० म० ए० म० नानावती अण्ड प० पी० राज-वानी, 2. मिसेस हेनकुवार आर० दवे, 3. इमालीम सुलेमान इसेन पटेल, 4. श्री ए० एल० दलाल, 5. श्री के० ए० म० केजरलवाला, 6. डा० ए० म० आर० प्रधान, 7. मिसेस तारावती एच० मेहरा, 8. श्री हेमराज मेहरा, 9. श्री ए० फर्नान्डीस, 10. मिसेस निर्मला शीलचन्द, 11. श्री के० आर० राजपूत, 12. श्री सी० एन० चाचड, 13. मिसेस राधिका के पंजाबी, 14. जार्ज दुर्गा कंस्ट्रक्शन कं०, 15. श्री आर० एल० पायस, 16. श्री आर० डी० पावसकर जार्ज दुर्गा कंस्ट्रक्शन कं०, 17. श्री जी० बेंकटरामन के० ए० म० जब्देरी के० दौन गरेजीस जब्देरी अण्ड कं०, 18. श्री ए० डी० माहिते गरेज।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना वी हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक स्विकृतियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3141/72/आर० बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 28-8-78 को रजिस्टर किया गया है।

वी० ए० म० शेषाद्री,
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II बम्बई।

दिनांक : 28-2-79

मोहर।

प्रस्तुप मार्ग १० टी० एन० एम०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 73/रेज IV/कल०/1978-79—
यतः मुझे, एस के० दासगुप्त
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० मेर अधिक है

और जिसकी सं० मौजा कुण्डपुर है तथा जो ब्लाक सी०,
बांगुर एमिन्यु, स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 22-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में
वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती माविद्वी देवी बेहानी (अन्तरक)
(2) श्री मुधीर चन्द्र मजुमदार (अन्तरिती)

को यह सूचना बारो नुस्खे पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक
के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के मानवत्व में कोः भा प्राप्तेः :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही
पर्यंत होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिष्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

अनुसूची

करीब 6 कठ 3 छटाक 17 स्क०० फुट। जमिन जो
दाग सं० 1337 और 11 छटाक 17 स्क०० फुट जमिन
दाग सं० 1321 एण्ड 1338 मौजा कुण्डपुर, ब्लाक सी०
के अनुसार है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस० के० दासगुप्त,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के प्रस्तरण
में, मेर उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति :—

तारीख : 14-3-1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री भान बाई, भोरा एण्ड अवर्से (अन्तरक)

(2) श्री तुषार भोरा (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 वा (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० एस० एल० 492/टी० आर० 417/सी० 347/कल०-1/78-79—अतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 49 है तथा जो एजरा स्ट्रीट स्थित में है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियां) के बाच ऐसे अस्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय के बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बच या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

49, एजरा स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित 10 कट्टा 4 कट्टा 40 वर्ग फिट, जमिन पर बहुतला मकान का 17/100 हिस्सा जो 1-4097 कोड नं० अनुसार 16-8-1978 तारीख में रजिस्ट्रार आकायमुट्टम का पास की रजिस्ट्री हुआ। हूँगा।

आई० वी० एस० जुनेजा,

नवन प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता।

तारीख : 18-4-1979

मोहर :

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, श्री धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रसूप आई० टी० एस० एस०—
यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० एस० एल० 493/टी० आर० 418/सी०
46/कल०-1/78-79—अतः मुझे आई० वी० एस०
जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसको पहचानत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 49 है तथा जो एजरा स्ट्रीट स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसर
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपलब्धा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्तः—

(1) श्री मनिबाई भोरा एण्ड अवर्से । (अन्तरक)
(2) श्री मास्कर भोरा । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

49, एजरा स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित 10 कट्टा
4 छटाक 40 वर्ग फिट जमीन पर बहुतल मकान का 11/
100 हिस्मा जो कीड नं० I-4098 अनुमार 16-8-1978
तारीख में रजिस्ट्रार आफ (अनुदेश का पास रजिस्ट्री
हुआ ।)

आई० एस० वी० जुनेजा,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता,

तारीख : 18-4-1979
मोहरः

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश स० एस० एल० 494/टी० आर० 419/सी० सी० 345/कल-1/73-79—अत., मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 49, है तथा जो एजरा स्ट्रीट कलकत्ता स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्पातः—

(1) मनी बर्ड भोरा एन्ड अर्द्द

(2) अनिल कुमार भोना

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोमुख्याकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

49, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 10 कट्टा 4 छटाक 40 वर्ग फिट जमिन पर बहुतली भकान का 11/100 हिस्सा जो 16-8-1978 तारीख में डीड न० 1—4099 अनुसार रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता पास रजिस्ट्री हुआ।

आई० बी० एस० जुनेजा
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता,

तारीख: 18-4-1979

मोहर:

प्रक्षा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश स० एम० एल० 495 टी० आर० 420/सी० 344/कल०-1/78-79—अर्त: मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि आयकर अधिनियम जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 49 है, तथा जो एतरा स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1978 को

पूर्वोंत सम्भाल के उक्त बाजार मूल्य में कर के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोन्न सम्भाल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्यह प्रतिशत अधिक है और मन्त्रक (अन्तर्को) और मन्त्रिती (भ्रन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुड़ 1कसा आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर इन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा हो लिए; और/या

(ख) ऐसी किसा प्राय गा किसा धन या अन्य मास्तियों को, किन्तु भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: ग्रन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात्:—

(1) श्री मनि बाई भोरा एण्ड अदर्स। (अन्तरक)

(2) श्री धनेन्द्र भोरा। (अन्तरक)

को यह नुवन बाते हरके दूर्बला बन्नति न अर्जन के लिए कार्यदाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस एतरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्वींदो व्यक्तियों पर सूचना नी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी यद्यपि बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

49, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 10 कट्टा 4 छटाक 40 वर्ग फिट जमिन पर मकान का 11/100 हिस्सा जो डीड नं० I—4100 अनुसार 16-8-1978 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स का पास रजिस्ट्री हुआ।

आई० बी० एस० जुनेजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख: 18-4-1979

मोहर:

कर्मचारी चयन आयोग

प्रेष 'ग' आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1979

विज्ञप्ति

विनाक 5 मई 1978

सं 13/8/78-प० प्र०—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा श्रेणी 'ग' भारतीय विदेश सेवा (आ) के आशुलिपिकों के सब-काउंटर की श्रेणी-II, शस्त्र सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' तथा ऐनवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' में अस्थायी रिक्तियों पर नियुक्त करने हेतु कर्मचारी चयन आयोग, नई दिल्ली द्वारा 28 सितम्बर, 1979 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विवेद विधिवालय द्वारा 21 और 22 सितम्बर, 1979 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विवेदियों में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

2. पाकसा की गतें—ऊपरलिखित सेवाओं में से किसी एक का स्थायी अध्यक्ष नियमित रूप से लगा हुआ अस्थायी श्रेणी था अथवा श्रेणी-III आशुलिपिक हो जो निम्नलिखित शर्तें पूरी करता हो:—

(क) सेवा अवधि:—1 जनवरी, 1979 को श्रेणी था अथवा श्रेणी-III आशुलिपिक के पद पर तीन वर्ष की अनुमतिवाली तथा लगातार सेवा से कम न हो।

(ख) आयु:—1 जनवरी, 1979 को 50 वर्ष से अधिक न हो अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आविष्म जातियों और कुछ अन्य निर्धारित वर्षों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट होगी।

(ग) आशुलिपि परीक्षा:—सम्बद्धित सेवा के श्रेणी था अथवा श्रेणी-III से पुष्टिकरण अथवा पद पर बने रहने के उद्देश्य के लिए आयोग की आशुलिपि परीक्षा इस परीक्षा की अधिक-सूचना की तारीख तक अथवा उससे पहले पास कर चुका होना चाहिए जब तक कि उसे ऐसी छूट प्राप्त न हो।

3. शुल्क:—12.00 रुपये (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आविष्म जातियों के लिये 3.00 रुपये)।

4. पूरे विवरण तथा आवेदन-पत्र परीक्षा नियंत्रक, (मुख्यालय) कर्मचारी चयन आयोग, लोक नायक भवन, हूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003 को 1.00 रुपया के रेखित (प्राप्तकर्ता ऐसा) भारतीय पोस्टल आईंटर जो कर्मचारी चयन आयोग को लोधी रोड डाक घर, नई दिल्ली पर देय हों, भेज कर अथवा आयोग के विवेक काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन पत्र आयोग को 11 जून, 1979 (25 जून, 1979 विवेदों में तथा अंडमान निकोबार ह्वीपसमूह में तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

विवेक भट्टाचार्य,
परीक्षा नियंत्रक

कर्मचारी चयन आयोग

उच्च श्रेणी प्रेष सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1979

विनाक, 5 मई 1979

सं 13/9/79-प० प्र०—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा तथा रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के उच्च श्रेणी प्रेष की प्रवर मूलियों में छूटि करने हेतु कर्मचारी चयन आयोग, नई दिल्ली के द्वारा 21 और 22 सितम्बर, 1979 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विवेदियों में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

2. पात्रता की गतें:—उम्मीदवार केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा या रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा का नियमित रूप से नियुक्त स्थायी प्रथमा अस्थायी अधिकारी होना चाहिए और जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो:—

(क) सेवा अवधि:—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा या रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी लिपिक प्रेष में 1-1-1979 को पांच वर्ष की अनुमतिवाली तथा लगातार सेवा से कम न हो।

(ख) आयु:—1 जनवरी, 1979 को 50 वर्ष से अधिक नहीं हो। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों और कुछ अन्य निर्धारित वर्षों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट होगी।

(ग) टंकण परीक्षा:—जब तक अवर श्रेणी प्रेष में पुष्टि के लिए संघ लोक सेवा आयोग/सचिवालय प्रशिक्षण जाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा मंडल)/प्रश्नान्वयन सेवा आयोग/कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रायोजित मासिक/व्रैमार्गिक टंकण परीक्षा से छूट प्राप्त न हो, उसे इस परीक्षा की विज्ञप्ति जारी होने की तारीख को अथवा इस से पहले ऐसी परीक्षा पास होना चाहिए।

3. फीस:—12/- रु. (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आविष्म जातियों के लि 3/- रु.)।

4. पूरे विवरण तथा आवेदन पत्र परीक्षा नियंत्रक, (मुख्यालय) कर्मचारी चयन आयोग, लोक नायक भवन, हूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003 को 1.00 रुपया के रेखित ("प्राप्तकर्ता ऐसा") भारतीय पोस्टल आईंटर जो कर्मचारी चयन आयोग को लोधी रोड डाक घर, नई दिल्ली पर देय हों, भेज कर अथवा आयोग के विवेक काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन-पत्र आयोग को 11-6-79 (25-6-1979 विवेदों में तथा अंडमान निकोबार ह्वीपसमूह में तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

विवेक भट्टाचार्य,
परीक्षा नियंत्रक

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 25th April 1979

SUBJECT:—Summer Vacation 1979.

No. 44/79-SCA(Genl.)—In pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that the Supreme Court will be closed for the annual summer vacation from Monday, the 7th May 1979 to Sunday, the 15th July, 1979 (both days inclusive) and will re-open on Monday, the 16th July, 1979.

In accordance with rule 6 of Order II of the aforesaid Rules, two Hon'ble Judges to be appointed by the Hon'ble the Chief Justice of India would hear matters of an urgent nature, which under the above rules may be heard by a Judge sitting singly. One Hon'ble Judge would sit during the period May 7, 1979 to June 10, 1979 and the other Hon'ble Judge will sit during the period June 11, 1979, to July 15, 1979.

The sittings of the Court during vacation would be on Tuesday, the 22nd May, 1979, 5th June, 1979, 19th June, 1979 and 3rd July, 1979. Sittings will, however, continue on the next succeeding day(s) if matters fixed for any day are not finished on that day.

During summer vacation the offices of the Court will remain open daily from 10.00 A.M. to 4.30 P.M. except on Saturdays, Holidays and Sundays. The offices of the Court will, however, remain open on Saturday, the 14th July, 1979 from 10.30 A.M. to 1.30 P.M.

No. plaints, appeals, petitions or other documents except those which are of an urgent nature will be filed or received in the Registry of the Court during the above period of vacation. For the convenience of the parties, however, the Registry will receive all plaints, appeals, petitions and other documents from 9th July 1979 onwards during office hours.

M. P. SAXENA
Registrar (Admn.).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd March 1979

No. A. 35014/1/79-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri A. Gopalakrishnan, a Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to officiate on an *ad hoc* basis Section Officer (Special) in the Commission's office for a period of three months with effect from 20-3-1979, or until further orders, whichever is earlier.

2. On his appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of Shri A. Gopalakrishnan will be regulated terms of the Ministry of Finance Dep'tt. of Expenditure O.M. No. F. 10(24)-E. III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 9th April 1979

No. P/1827-Admn. I.—In continuation of Union Public Service Commission notification of even No. dated 15-10-1976, the Chairman, Union Public Service Commission is pleased to continue the appointment as Deputy Secretary, Union Public Service Commission of Dr. A. C. Mathai, formerly a Lecturer in Civil Engineering in the College of Engineering, Government of Kerala, Trivandrum upto 29-9-1979 or until further orders, whichever is earlier, *v/e* proviso to Regulation 4 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Chairman,
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS).

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th April 1979

No. G-29/65-Ad. V.—Consequent upon his selection for appointment on deputation to the post of Senior Vigilance Officer in the Indian Oil Corporation, Shri G. C. Pantanayak, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation relinquished charge of the post of Dy. Supdt. of Police in the C.B.I. on the afternoon of 3rd April, 1979.

RIPDAMAN SINGH
Administrative Officer (A)
Central Bureau of Investigation

New Delhi-110001, the 16th April 1979

No. O. II-685/71-Estt.—The Government of India regret to notify the death of Shri J. A. Ansari, Deputy Supdt. of Police, GC, CRPF, Pallipuram on 24-2-1979.

No. O. II-1209/75 Estt.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri Rameshwar Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., GC, CRPF, Durgapur on the afternoon of 28-2-1979.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL,
INDIA

New Delhi-110011, the 11th April 1979

No. 11/1/77-Ad. I.—In continuation of this office notification of even number dated 29-8-1978 the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of the under-mentioned officers in the posts of Assistant Director of Census Operations, in offices of the Director of Census Operations as mentioned against each with effect from 27 May 1978 upto 12 September 1978:

S. No.	Name of the officer	States	Headquarters
1.	Shri S. K. Majumdar,	Uttar Pradesh	Lucknow
2.	Shri B. D. Sharma	Chandigarh, UT	Chandigarh

No. 11/1/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Aggarwal, Assistant Director of Census Operations (Technical), in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations Hariana Chandigarh on regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of 2nd April, 1979, until further orders *v/e* Shri Ardaman Singh, Deputy Director of Census Operations is transferred from the office of the Director of Census Operations, Hariana, Chandigarh to the office of the Registrar General, India, New Delhi.

2. The headquarters of Shri Aggarwal will be at Chandigarh.

No. 11/1/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Bhargava, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh Lucknow, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operation, West Bengal, Calcutta, on regular basis, in temporary capacity with effect from the forenoon of 30 March, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Bhargava will be at Calcutta.

The 12th April 1979

No. 11/1/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Bhargava, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the same

office on regular basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 16 March, 1979, until further orders. The headquarters of Shri Rastogi will be at New Delhi.

The 16th April 1979

No. 11/1/79-Ad. I(2).—The President is pleased to appoint Shri J. K. Patel, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay on regular basis, in temporary capacity with effect from the afternoon of 30 March 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Patel will be at Bombay.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 11th April 1979

No. 29015(2)/78-AN-I.—The President is pleased to appoint Shri Sanjoy Mukherjee, an officer of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Time Scale of that Service (Rs. 1100—50—1600) with effect from 30-3-1979 (AN), until further orders.

R. L. BAKHSHI

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

New Delhi-110 022, the 9th April 1979

AMENDMENT TO NOTIFICATION

No. 20312/79/AN-II.—In partial modification of this office Notification bearing No. 20312/79/AN-A dated the 23rd January, 1979 the Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent Section Officer (Accounts) as Accounts Officer in a substantive capacity with effect from the forenoon of the date shown against him instead of from the date already notified.

Name	Organisation where serving	Date of Effect
Shri N. C. PHADKE	Controller of Defence Accounts (officers) Poona	23-12-1979
S. N. CHATTOPADHYAY Dy. Controller Genl. of Defence Accounts (Pers.)		

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta, the 11th April 1979

No. 6/79/A/F-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri N. N. Biswas, Stenographer 'C/PA to Stenographer Gr. 'B'/Sr. PA (Group 'B' Gazetted) in officiating capacity without effect on seniority from 25-10-78 until further orders.

D. P. CHAKRAVARTI,
ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 9th April 1979

No. 21/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri H. Halder, Offg. T.S.O. (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st March, 1979 (A/N).

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

DIRECTOR GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th April 1979

No. 28/21/78-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M. C. P. Nambiar, Field Reporter, All India Radio, Calicut to officiate as Extension Officer, All India Radio, Calicut on a purely *ad hoc* basis with effect from 20-11-1978 until further orders.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 9th April 1979

No. A-24013/28/78-Fsts. I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Kum. S. Sen Offg. Salesman, Films Division, Nagpur to officiate as Branch Manager in the same office with effect from the afternoon of 19-3-1979 *vice* Shri G. K. D. Nag, Branch Manager granted leave.

N. N. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 11th April 1979

No. A-19023/74/78-A. III.—The short-term appointments of the following officers in the posts of Marketing Officer (Group II) under this Directorate have been extended upto 30-9-79 or until regular appointments are made, whichever is earlier :—

1. Dr. G. K. Pallan.
2. Dr. (Smt.) R. S. Nechete.

No. A-19023/1/79-A. III.—Shri S. D. Phadke, A.M.O., is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Guntur w.e.f. 22-3-1979 (FN) on purely short-term basis for a period of 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Phadke relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Rajkot in the afternoon of 17-3-1979.

The 12th April 1979

No. A-19024/5/78-A. III.—The short-term appointment of Shri Chandra Prakash to the post of Chief Chemist has been extended upto 30-6-1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A. 19024/9/78-A. III.—The short term appointment of Shri A. A. S. Prakasa Rao, to the post of Chief Chemist has been extended upto 30-6-1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 16th April 1979

No. 19025/65/78-A. III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) have been extended upto 30th June, 1979, or until regular arrangements are made, whichever is earlier :—

S/Shri

1. R. S. Snigh
2. B. N. K. Singh
3. A. N. Rao
4. R. V. S. Yadav
5. M. P. Singh
6. H. N. Ral
7. D. N. Rao
8. S. P. Shinde
9. R. C. Munshi
10. K. K. Tiwari
11. S. K. Mallik

OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 16th April 1979

No. 1/485/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. Krishnaswami as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 26th February, 1979, and until further orders.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 16th April 1979

No. 11-TR(3)/77.—Shri Pijush Kanti Banerjee, Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta, has relinquished charge of his post, consequent upon the acceptance of his resignation with effect from 18th December 1978 (I.N.).

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Land Scape Developers Private Limited*

Madras-600 006, the 9th April 1979

No. 6261/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Land Scape Developers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s.
Christian Mutual Benefit Fund (Coimbatore) Limited*

Madras-600 006, the 9th April 1979

No. 6421/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Christian Mutual Benefit Fund (Coimbatore) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX
DELHI IV

New Delhi, the 7th April 1979

INCOME-TAX DEPTT.

No. Coord./Pub./CIT-IV/D/77-78/543.—In pursuance of the order dated 26-12-70 U/s 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Govt. of India Ministry of Finance (Dept. of Revenue and Insurance) authorising so to do, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, hereby publishes names and other particulars of the assessees in whose cases arrears of Income-tax demand exceeding Rs. 1 lakh were written off during the Financial year 1977-78:—(i) Indicate status, 'T' for individual, 'H' for Hindu Undivided family, 'C' for company, (ii) for asstt. year, (iii) for demand written off, (iv) for brief reasons for write off.

1. Sh. Surinder Singh, Prop., Amritsar, Hardware Store, Hauz Qauzi, Delhi-6(i) I, (ii) 1962-63 to 69-70 & 71-72 (iii) Rs. 1,85,212, (iv) The demand was considered to be irrecoverable.

Note.—The statement that the tax due from a person has been written off only means that in the opinion of Income-tax Department it cannot on the date of publication be realised from the known assets of the assessee. The publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or that the assessee is discharged from his liabilities to pay the account in question.

RANBIR CHANDRA
Commissioner of Income-tax
Delhi-IV, New Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th April 1979

Ref. No. ASR/TT/79-80/7.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One building bearing No 12/262 M.C. Guard Bazar, Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Taran Taran in August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri S. Gurpal Singh s/o Maj. Harinder Singh, Raja Sansi, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Harjinder Singh s/o Mohan Singh, Taran Taran, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and Tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One building bearing No. 12/262 M.C. situated at Taran Taran (1/6th part) M.C. Guard Bazar, Taran Taran, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3884 dated 16-8-78 of Registering Authority, Taran Taran, for Rs. 45,000/-.

G. L. GAROO, (IRS.),
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 16-4-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Gurpal Singh s/o Maj. Harinder Singh, Raja Sansi, Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Gursharan Kaur w/o S. Mohan Singh, Taran Taran, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sl No. 2 above and Tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/2.—Whereas, I, G. L. GAROO IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One bearing No. 12/262 M.C. Guard, Bazar Taran Taran Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Taran Taran, on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

One building bearing No. 12/262 situated at M. C. Guard Bazar, Taran Taran, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 5247 dated 18-12-78 of Registering Authority Taran Taran, for Rs. 40,000/-.

G. L. GAROO, (IRS),
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 16-4-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Visalakshi Ammal, W/o K. Radhakrishna Reddiar, Vadakkumbhagom, Quilon.
(Transferors)

(2) 1. Sri Nooruddeen, Hasheef Manzil, Kannimelcherry, Kilikollur, Quilon. 2. Smt. Pathakkannu Subaida Beevi Kilikollur, Quilon.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682 016.

Cochin-682016, the 17th April 1979

Ref. L.C. 295/78-80.—Whereas, I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Alleppey (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 4-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings as per schedule attached to Document No. 1850/78 dated 4-8-1978.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated: 17-4-1979

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th April 1979

Ref. No. TR No. 502/Acq./Kpr./78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on August 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri Vijai Kumar, Krishna Kumar, Vishnu Kumar Kesarvanji sons of Bhagwati Pd. r/o 13/122 Parmat, Kanpur.
(Transferor)

(2) Sri Hubdar Khan s/o Abdul Gafur Khan r/o Khiron Distt. Raibareilly, Irshad Ahmad s/o Hubdar Khan r/o Khiron Raibareilly, Iqbal Hussain s/o Khaley Khan, Javed Iqbal, Jafar Iqbal, Rais Iqbal s/o Iqbal Husain r/o Katrarugarh, Dhanbad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property House No. 41/109 situated at Chau-bey Sola Nai Sarak, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 7-4-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th April 1979

Ref. No. TR No. 536Acq./Etah/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

AS PFR SCHFDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etah on 24-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Harcharan Singh s/o Jaswant Singh r/o Gehtu Pargana Marhara Distt. Etah.

(Transferor)

(2) Shri Bhudeo Singh, Sunahari Lal, Siv Charan Lal sons of Amar Singh r/o Lalpur Majia Gehtu Pargana Marhara, Hardayal Singh s/o Pulafat Singh r/o Begala Pherali Nagla Gehtu, Smt. Ashaifi Devi w/o Jawab Singh r/o Gehtu Pargana Marhara Distt. Etah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7.28 Acre situated at village Gehtu Pargana Marhara Distt. Etah sold for an apparent consideration of Rs. 49,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 85,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Dated : 7-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Muneshwar Nath Gupta s/o Totaram Gupta
Dr Prahlad Gupta s/o Dr. Muneshwar Nath r/o
Chily It Road, Agra and others
(Transferor)

(2) Shri Satish Chandra Agrawal, Rajendra Prasad Agrawal, Viendra Kumar Agrawal sons of Shivcharan Lal Agrawal son of Gangadhar Agrawal 18 Vijai Nagar Colony, Agra.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 7th April 1979

Ref No TR No 467 Acq Act/78 79—Whereas, I,
B C CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing No
AS PFR SCHFDUI E situated at AS PER SCHFDUI F
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Agra on 8-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No 22/67 Vijai Nagar colony, Agra only 14/16 part sold for an apparent consideration of Rs 189,000 the fair market value of which has been determined at Rs 478,000/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Dated : 7-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
13—46GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR
Kanpur, the 11th April 1979

Ref. No. 672-A—Wheers, I,
B C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anupshahar on 17-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jafri Begum w/o Jahid Ali r/o Chahla Pargana Dibai Tah Anupshahar Distt Bulandshahar.
(Transferor)

(2) Shri Haidar Ali, Sartaj Ali s/o Ahsan and other r/o Chahla Pargana Dibai Tah Anupshahar Distt Bulandshahar
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Chela sold for an apparent consideration of Rs 26,820/- the fair market value of which has been determined at Rs 80,460/-

B C CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Dated 11-4-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 530/MGA/79-80.—Whereas I, P. N. MAI.LIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

As per Schedule situated at Salina (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on October 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Tikka Harbhajan Singh s/o Smt. Suraj Kaur, V. Salina, Teh. Moga. (Transferor)
- (2) Smt. Balbir Kaur, w/o Sodhi Pritam Singh, Davinder Singh s/o Sodhi Pritam Singh, Jaswinder Pal Singh, Partap Nagar, Jagraon. (Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 272 K in village Salina as per sale Deed No. 5444 of October, 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MAI.LIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 2-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) S/Shri Jagit Lal, Paramit Lal, ss/o Gurdarshan Lal,

(Transferors)

(2) S/Shri Sewa Nand, Ashwani Kumar, Vinay Kumar, ss/o Amar Nath, V. Dalla (Tanda), Teh. Dasuya.

(Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 above [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 531/DSU/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

As per Schedule
situated at Dalla (Tanda)

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Desuva on August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Jagit Lal, Paramit Lal, ss/o Gurdarshan Lal,

(Transferors)

(2) S/Shri Sewa Nand, Ashwani Kumar, Vinay Kumar, ss/o Amar Nath, V. Dalla (Tanda), Teh. Dasuya.

(Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 above [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein or are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 21 K & 4 M in village Dalla (Tanda) as per sale Deed No. 1361 of August 1978 registered with the S.R. Dasuya.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 2-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
BHATINDA

Bhatinda the 2nd April 1979

Ref No A P 532/BTS/79-80—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

As per Schedule
situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer, Bhatinda on 1st June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which he has not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the son of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Sh. Bhag Mal s/o Badhwa Mal & Ranjit Singh s/o Jiwan Singh, r/o Bhatinda (Transferors)
- (2) Late Lalk Ram Memorial Ayurvedic Hospital, Guru Nanak Pura Bhatinda (Transferee)
- (3) As per Sr. No 2 above [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One plot measuring 1629 Gaj in Guru Nanak Pura, Bhatinda as per sale Deed No 3238 of August 1978 registered with the S.R. Bhatinda

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 2-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 532/ABH/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule
situated at Abohar

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on August 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Vashno Devi wd/o
Sh. Daulat Ram
r/o Abohar.

(Transferor)

(2) Smt. Vidhwati, wd/o
Sh. Dina Nath
Gali No. 9 Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house in Krishna Nagar Road, Abohar as per sale Deed No. 1085 of August 1978 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 2-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) S/Sb. Karm Singh,
Hari Singh &
Mehar Singh,
ss/o Sujan Singh, C/o
Sujan Singh, Mehar Singh Cloth Merchant,
Gurdwara Bazar, Kotkapura.

(Transferors)

(2) Sh. Mohinder Singh, s/o
Milkhi Singh
c/o Purva Tailors,
Gurdwara Bazar, Kotkapura.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One shop in Gurdwara Bazar, Kothapura as per sale
Deed No. 2076 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 2-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 535/NWS/79 80—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and As per Schedule situated at Rahon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawahshehar on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. Kedar Nath, s/o Devi Dass,
V. Rahon Nawahshehar
(Transferor)

(2) Sh. Purbw. das, Kumar s/o V. Rahon Nawahshehar

(3) As per S. No. 2 above
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 43K & 2M in village Rahon as per sole deed No. 2747 of August 1978 registered with the S.R. Nawahshehar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 2-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 536/MGA/79-80.—Whereas I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- As per Schedule situated at Bagha Purana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Moga on October 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sant Gurmel Singh, s/o Payara Singh, s/o Kishan Singh, r/o Bagha Purana. (Transferor)
- (2) S/Sh. Sukhminder Singh, Tarsem Singh, ss/o Harjit Singh s/o Bukan Singh & Satwinder Singh, Hakumat Singh, Palwinder Singh, r/o Aalawala near Bagha Purana. (Transferees)
- (3) As per Sl. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 23 K & 8 M in village Bagha Purana as per sale Deed No. 5362 of October 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 2-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
14—46GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 537/PHL/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Fatehpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Atma Ram, s/o
Sh. Thakur Ram,
r/o Fatehpur.

(Transferor)

(2) Sh. Shambhu Dayal,
s/o Karyar, Chand,
r/o Adewali, Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 69 K & 7 M in village Fatehpur as per sale Deed No. 2663 of September 1978 registered with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Bhatinda

Date : 2-4-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Balbir Singh, s/o Harnam Singh,
s/o Daulti,
V. Sham Chaurasi,
Thana Hariana, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

(2) Sh. Dilbagh, s/o
Batan Singh, s/o Isher Singh,
V. Khavra Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 K in village Sham Chaurasi as per sale Deed No. 2567 of September 1978 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 2-4-1979

Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) S/Sh. Bakshi, Dura, Shadi Nasib, Jogi
ss/o Siboo
d/o Chuhara,
V. Salampur, Nawanshehar.

(Transferor)

(2) Sh. Rakha s/o Rulia Ram, &
Gurpal s/o Rakha,
V. Bahloor Kalan,
Teh. Nawanshehar.

(Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 539/NWS/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at Salampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehar on October 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 67 K & 5 M in village Salampur as per sale deed No. 3016 of September, 1978 registered with the S.R. Nawanshehar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 2-4-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sant Gurmel Singh, s/o
Payara Singh, s/o Kishan Singh
r/o Bagha Purana.

(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 540/MGA/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

As per Schedule
situated at Bagha Purana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on October 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S. Shri Sukhinder Singh, Tarsem Singh,
ss/o Harjit Singh,
Satwinder Singh,
Hakumat Singh,
Palwinder Singh s/o Harn Singh,
t/o Aalamwala near Bagha Purana.

(Transferees)

(3) As per Sl. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 23 K & 8 M in village Bagha Purana as per sale Deed No. 5319 of October 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHALATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref No A P 541/NWS/79-80—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No As per Schedule situated at Village Kat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on September 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt Gurmit Kaur d/o Sh Bakhshish Singh, Sh Pitam Singh s/o Sh Bakhshish Singh, Village Kat Teh Nawanshehar (Transferor)

(2) Sh Gurjeet Singh, s/o Sh Chain Singh, Village Kat, Teh Nawanshehar (Transferee)

(3) As per Sr No 2 above [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

Agricultural land measuring 16 Kanals in village Kat as mentioned in sale Deed No 2863 of September 1979 registered with the S R Nawan Shehar

P N MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhatinda

Date 24-1979
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 542/BTI/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Dhanna Singh, s/o
Sharan Singh s/o Santosh Singh
c/o Dharan Pal,
H. No. 392, Civil Station,
Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi wif Krishna Devi, w/o
Pawan Kumar Goyal,
c/o Amar Nath Goyal,
Goyal Textile, Post Office Bazar,
Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per sr. no. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 64 on Power House Road, Bhatinda as per sale Deed No. 3073 of August 1978 registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHALINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 543/MKT/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Thandewala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jasmer Singh, s/o Sukha Singh s/o Suhel Singh Mukhtiar-a-am Pal Kaur d/o Mehar Singh, s/o Hau Singh, V. Lokha Khurd, Zira.

(Transferors)

(2) Sh. Jagroop Singh, s/o Kehar Singh s/o Hari Singh, V. Thandewala, Muktsar.

(Transferee)

(3) As per sr. no. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 43 K & 14 M in village Thandewala as per sale Deed No. 2697 January 1979 registered with the S.R. Muktsar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-4-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Major Singh, s/o
Sh. Chand Singh s/o Balbir Singh,
s/o Kotkapura.

(Transferor)

(2) M/s Guru Teg Bahadur Bhatha,
c/o Mukhtiar Singh
s/o Jagroop Singh,
s/o Kehar Singh,
s/o Kotkapura.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in the
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 K & 6 M in village Kot-
kapura as per sale Deed No. 2918 January 1979 registered
with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

15—46GI/79

FORM I.T.N.3.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 545/FDK/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and as per Schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Major Singh, s/o Sh. Chand Singh s/o Sh. Balbir Singh, V. Kotkapura. (Transferor)
- (2) M/s. Jai Durga Bhatha through Hukam Chand s/o Guranditta Mal, s/o Indra Ram, V. Butter, Teh. Moga. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 K & 2 M in village Kotkapura as per sale Deed No. 2917 January 1979 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 546/GDB/79-80 — Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Gidderbaha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidderbaha on Oct 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Gidderbaha on October 1978

(1) Sh. Nathu Ram, s/o Milkhi Ram s/o Laghu Mal, Gidderbaha

(Transferor)

(2) Smt. Vijay Laxmi w/o Dr. Raj Kumar Jindal, Dharamsala Chowk, Main Bazaar, Gidderbaha

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3 shops on Bhati Road Gidderbaha as per sale Deed No. 940 October 1978 registered with the S.R. Gidderbaha.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date 6.4.1979
Seal.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 547/MGA/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at Moga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Pushpa Rani w/o Bhagwan Dass,
r/o New Town, Moga.
(Transferor)
- (2) Sh. Kirpal Singh s/o Harnam Singh &
Harjot Kaur w/o Kirpal Singh,
r/o Subash Pura,
Tarantaran.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XYA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd of a Godowan in Moga Jit Singh as per sale Deed No. 5175 September 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Raj d/o Ganga Ram,
1/o New Town, Moga.

(Transferor)

(2) Smt. Balinder Kaur d/o
Dharam Singh S/o Nand Singh and
Dharam Singh s/o Nand Singh s/o
Ganga Singh, r/o
Kothi No. 11, Khalsa College,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As per Sr No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. A.P. 548/MGA/79-80.—Whereas J. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Moga on September 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd of a building in Moga Jit Singh as per sale Deed No. 5174 September 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 549/MCA/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at Moga

(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Moga on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sheela Rani w/o Om Parkash,
r/o New Town, Moga.
(Transferor)
- (2) Smt. Balwant Kaur w/o Dharam Singh &
Rajinder Singh s/o Dharam Singh
Kothi No. 11, Khalsa College,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As per St. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Godown building in Moga as per sale Deed No. 5173 of September, 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 16-4-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Thakur Arjan Singh s/o Thakur Sohan Singh,
Ferozepur.
(Transferor)

(2) S/Sh Ashok Kumar, Naresh Kumar
s/o Shri Gian Chand,
t/o Ferozepur.
(Transferee)

(3) As per Sr No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 16th April 1979

Ref. No. A P 550/FZR/FZR/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
as per Schedule
situated at Ferozepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Ferozepur on August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

A property in Nohrian Mohalla near Namak Mandi as
mentioned in Sale Deed No. 2981 of August 1978 registered
with the S.R. Ferozepur.

THE SCHEDULE

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 16-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAVAN,
PLOT NO 31, GANESH KHIND ROAD,
PUNE-411 005

Pune 411 005, 29th March 1979

Ref No C/SR Haveli J/Oct '78/437—Whereas I, Smt P LALWANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F P No 477B/1 A TPS III situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 16 10 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s United Construction Co.
722-A-b/17 laxmi Park, Pune-30
(Transferor)
(2) Salokha Sahakari Grha Rachana Society Ltd
477-B1A, Shahu College Road,
Parvati, Pune-9
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDUI E

Final plot No 477B/1 A TPS III Pune
Area 17-26 Ares
(Property as described in the sale deed No 1817 dated 16-10-78 in the office of the Sub Registrar, Haveli-I Pune)

SMT P LALWANI
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Poona

Date : 29-3-1979

Seal :

FORM ITNS

Momsha & Natekar, Regd. Firm,
685, Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gajanan Co-operative Housing Society Ltd.
New 667, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAVAN,
PLOT NO. 31, GANESH KHIND ROAD,
PUNE-411 005

Pune-411 005, 29th March 1979

Ref. No. CA5/SR. Haveli-I/Oct '78/438.—Whereas, I
Smt. P. LALWANI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New 667 Sadashiv Peth, situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Pune on 19-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of trans-
fer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Property at New 667, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the sale deed registered under
No. 1748 dated 19-10-78 in the office of the Sub-Registrar,
Haveli-I, Pune).

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—
16—46GI/79

Date : 29-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAVAN,
PLOT NO. 31, GANESH KHIND ROAD,
PUNE-411 005

Pune-411 005, the 29th March 1979

Ref. No. CA5/SR. Haveli-I/Janu '79/439.—Whereas, I Smt. P. LALWANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 7 of S. No. 110 (new 110A) Hissa No. 1 and 1 and 9A Hadapsar, Pune 2/2B/2B

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pune on 2-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. H. Hingorani,
13, Veena Apartments,
776, Bhawani Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Gangadhar Mallappa Kakamani,
Plot No. 7, S. No. 110 (New 110A), S.R. P. Road,
Pune-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7 of Survey No. 110 (New 110A) Hissa No. 1 and 9A Hadapsar, Pune-13.
2/2B/2B

Area : 936.64 sq. m.

(Property as described in the sale deed registered under No. 15 dated 2-1-79 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 29-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAVAN,
PLOT NO. 31, GANESH KHIND ROAD,
PUNE-411 005

Pune-411 005, the 29th March 1979

Ref. No. CA5/SR. Hacc I/No. V. 78/440.—Whereas, I
Smt. P. LALWANI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
S. No. 24, Sub. Div. No. I (pt) S. No. 24 Sub-Div. I (pt) &
S. No. 25-A situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Pune on 27-11-78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ganesh Vinayak Akolkar,
Vikas Raviwar Peth, Nasik,
through his Power of Attorney Holder Shri Anant
Ambadas Kulkarni, Continental, Vijay Nagar
Colony, Pune-30.
2. Smt. Kunika Damodar Ranade,
1643, Sadashiv Peth, Pune-30.
3. Shri Prakash Damodar Ranade,
1643, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferors)

- (2) M/s. Mangesh, Melodies Pvt. Ltd.
Director Shri Rhidaynath Dinanath Mangeshkar,
Prabhukunj, Pader Road, Bombay-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the immoveable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-agricultural land about 5983 sq. ft. at S. No. 24 Sub-
division No. I (pt) S. No. 24 Sub-Division I (part) and S.
No. 25-A situated at Sadashiv Peth, Pune.

(Property as described in the sale deed registered under
No. 2506 dated 27-11-78 in the office of the Sub-Registrar,
Haveli-I, Pune).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 29-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shamji Velji & Co.
7, Dhirwani Bhuvanm, 1st Floor,
Keshavji Naik Road, Panvel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAVAN,
PLOT NO. 31, GANESH KHIND ROAD,
PUNE-411 005

Pune-411 005, the 29th March 1979

Ref. No. CA5/SR. Panvel/Oct '78/441.—Whereas, I
Smt. P. LALWANI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
F. P. Nos. 129, 130, 131, 133, CTS. No. 1398 and 1402B
1395N, 1395-A, 1404-A (pt) S. No. Hissa No. 320A, 321A
situated at Panvel
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Panvel on Oct. 78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Final plot No. 129, 130, 131, 133, CTS. Nos. 1398 & 1402-
B, 1395-B, 1395-A, 1404-A (pt) S. No. Hissa No. 320A,
321A.

(Property as described in the sale deed registered under
No. 201 dated Oct. 78 in the office of the Sub-Registrar,
Panvel).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 29-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Kailash Charan S/o Sri Mahabir Pershad
H No 82 626/6 Road No 1 Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr M Ravindernath Reddy, Badlapally, Jadcherla
Tq Muhaboobnagar-Dist

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1979

Ref No. RAC No 1/79-80—Whereas, I, K S VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs 25,000/- and bearing
No Open plot in situated at 3-5 874 Hyderguda, Hyd
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on August-78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Open plot of land in premises No 3-5 874, Hyderguda,
Hyderabad, (Plot No 10 admeasuring 355 Sq Yds) registered
vide Doc. No. 3319/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar
Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

K S VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-4 1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 4th April 1979

Ref. No. RAC. No. 2/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21-2-121 to 131/2 situated at Gulzar House, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli, on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Rukmani Bai, H. No. 15-8-497 at Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mangat Rai, S/o late Sri Murarilal, and 2. M/s. Fateh Chand Om Prakash, H. No. 21-2-109 Charkaman, Hyderabad, 3. Sri Baisishen S/o Motilal, Jewellers, at Gulzar House Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 21-2-121 to 131/2 situated at Gulzar House, Hyderabad admt. assuring 1122.00 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 917/78 in the Office of the Sub-Registrar Doodbowli.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Padma S. Bantia, 27-West Maredpally,
(Shantiniketan), Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1979

Ref. No. RAC. No. 3/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-2-524/3 situated at part of it Domalguda, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. FC-13 at Sagar View Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, admeasuring 316 Sq. Ft. registered vide Document No. 3138/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-4-1979.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) M/s Swastik Builders 1-2 524/3 at Domalguda,
Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt Padma S Butta W/o Sri Shantilal Bantia,
Shantiniketan H No 27-West Maredpally,
Secunderabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 4th April 1979

Ref No RAC No 4/79 80—Whereas, I K S VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
No Shop No 14 situated at 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad on August 78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official GazetteEXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XVA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer, and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCIIEDUI E

Shop No FC 14 of Signature Building M No 12 524/3
at Domalguda Hyderabad registered vide Doc No 3139/78
in the office of the Joint Sub Registrar HyderabadK S VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 4-4-1979,

Seal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda,
Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. G. Ratnamala, H. No. 15-5-671 at Ashok
Bazar, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1979

Ref. No. RAC. No. 5/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Room No. 116 situated at 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Room No. 116 on 1st floor of Sagar view Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3142/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-4-1979.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—46GI/79

FORM ITNS—

(1) M/s. Swastik Builders, 1-2-524/3 situated at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1979

Ref. No. RAC. No. 6/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 115/1st floor situated at 1-2-524/3 Domalguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 115 on 1st floor of Sagar view Building M. No. 1-2-524/3 situated at Domalguda Hyderabad, registered vide Doc. No. 3141/78 in the Joint Sub-Registrar office Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda,
Hyderabad.
(Transferor)

(2) Kumari S. Anuradha Rao,
H. No. 3-4-379 at Lingampally, Hyderabad-27.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. RAC. No. 7/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. FC-9 situated at Sagarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THIS SCHEDULE

Shop No. F.C. 9 in Sagar view Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3140/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-4-1979.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Terala Venkateshwarloo,
H. No. 1-1-164 at Alexander Road, Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th April 1979

Ref. No. RAC. No. 8/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 205 in situated at Sagarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Office Room No. 205 on Second floor of Sagarview Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3143/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

THE SCHEDULE

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-4-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Terala Sarojini, W/o T. Venkateswarlu,
H. No. 1-1-164 at Alexander Road, (Being Municipal Office), Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th April 1979

Ref. No. RAC. No. 9/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

No. Office No. 204 situated at Sagarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office premises No. 204 in Sagar view Building M. No.1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 3144/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-4-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Jahan Ara Begum,
H. No. 3-6-420/1 at Street No. 3 Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Syed Naseera,
H. No. 3-6-420/1 Street No. 3 Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th April 1979

Ref. No. RAC. No. 10/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. No. 3-6-420/1 situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Ground floor premises portion of H. No. 3-6-420/1 situated at Himayatnagar, Hyderabad, admeasuring 247 Sq. Yds. registered vide Document No. 3014/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-4-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri U. R. Siddeswarappa, S/o Uppini Pedda Nagappa, Cloth merchant, N.R. Peta, Kurnool.
(Transferor)

(2) Sri G. A. Rahim, Reddy, Mohd. and 3. Hussain, S.B.I. Supervising C.H.B. Society, Ltd., Kurnool.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1949

Ref. No. RAC. No. 11/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 71 & 66 situated at Kurnoolpeta, Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on August-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3 Acres of land in survey No. 71 and 66 situated at Kurnoolpeta, Kurnool, registered vide Document No. 2170/78 in the Office of the Sub-Registrar Kurnool.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-4-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpalatha, P/r M/s. Associated Builders, & Real Estate Agents, Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Mrs. Sakina Basheeruddin Ahmed, H. No. 11-4-169/8 at Bazaarghat, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1979

Ref No. RAC. No. 12/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat B2/F4 situated at Chiragali lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-2/F4 in Poonam Apartments, situated at Chiragali lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3070/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-4-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Surjeet Singh Lamba,
H. No. 5-9-30/1/40 & 40A Basheerbagh,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1949

Ref. No. RAC. No. 13/79-80.—Whereas, I, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-30/1/40 & 40A situated at Basheerbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Shri Surjeet Singh Lamba,
H. No. 5-9-30/1/40 & 40A Basheerbagh,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Eshwari Bai w/o Shri Khan Chand,
15-9-337, Mahboobgunj, Hyderabad.
(ii) Sri Lekhraj s/o Khan Chand
15-9-337, Mahboobgunj, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building bearing No. 5-9-30/1/40 & 40A situated at Basheerbagh registered through the document No. 3382/78 at the Joint Registrar's office, M. J. Market, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-4-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—46GI/79

FORM ITNS

(1) **Seetharam Afzalpurkar,**
H. No. 3-4-174, Lingampalli, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(2) **S. Padmavathi, w/o Dr. S. Lakshmana Rao,**
H. No. 3-4-178, Lingampalli,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 12th April 1949

Ref. No. RAC. No. 14/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. portion of No. 3-4-178 situated at Lingampalli Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of house No. 3-4-178 situated at Lingampalli, Hyderabad registered through document No. 3091 of 1978 at the joint Registrar's office, M. J. Market, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-4-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1949

Ref. No. RAC. No. 15/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 in 5-8-524 situated at Jagdish Market, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Lakshmi Bai, W/o Jagdish Pershad by Jagdish Pershad (GPA), H. No. 21-1-293, Rikabgunj, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master Rameshkumar, (represented by Ratanlal) H. No. 21-1-281, Ghansi Bazaar, Hyderabad.

(Transferee)

(3) Sri Govindraj Radumal Mukhi, Shop No. 6, 5-8-524, Jagdish Market, Tilak Road, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

Shop No. 6 being part of premises No. 5-8-524 in Jagdish Market, Chirag-Ali-Lane, Hyderabad registered through document No. 3359/78 at the Joint Registrar's Office, M. J. Market, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-4-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1949

Ref. No. RAC No. 16/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 6 in premises No. 5-8-520, 520/1 and 520/2, situated at Chiragalli lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Joint Registrar's office, Hyderabad on August-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Taramani, w/o Sri Giriraj Goyal, H. No. 5-3-1053, Shanker Bagh, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Master Ravindra Kumar, minor by guardian Ratanlal, H. No. 21-1-281, Ghansi Bazaar, Hyderabad. (Transferee)
- (3) Smt. B. Bharathi Bai, w/o B. Ganesh Rao, Shop No. 6 in 5-8-520, Chiragalli lane, Hyderabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 being part of premises No. 5-8-520, 520/1 &

520/2 at Chiragalli lane, Hyderabad, registered through document No. 3360/78 at the Joint Sub-Registrar's office, M. J. Market, Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-4-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Deepak Gangadhar Gadre,
S/o G. B. Gadre,
H. No. 725, S. V. Nagar, Pune.

(Transferor)

(2) 1. Sri Paramjeet Singh
S/o Sri Harbhajan Singh,
2. Sri Jasbeer Singh
S/o Sri Harbhajan Singh,
House No. 21-3-291, Petla Burz,
Hyderabad.

(Transferee)

(3) The Director, Backward Classes Welfare,
(Govt. of A.P.), Hyderabad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1979

Ref. No. RAC. No. 17/79-80.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of House No. 3-6-291 situated at
Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Hyderabad in August-78

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. 3-6-291, situated at Hyderguda
Hyderabad, registered vide Doc. No. 3275/78 in the office
of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad the 12th April 1979

Ref No RAC No 18/79 80—Whereas, I, K S VENKATARAMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 36291 situated at Hyderguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(1) 1 Sri Gangadhar Balkrishna Gadre
2 Deepak Gangadhar Gadre,
Both residing at 725 S V Nagar,
Pune

(Transfeor)

(2) Shri Harbhajan Singh,
House No 213 291, Petla Buj,
Hyderabad

(Transferee)

(3) The Director, Backward Classes Welfare
(Govt of A P) Hyderabad
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Building and premises No 36-291 situated at Hyderguda Hyderabad registered vide Doc No 3276 78 in the office of the Joint Sub Registrar, Hyderabad

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

K S VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad

Date 12.4.1979
Seal

FORM ITNS

(1) Dr. S. S. Dounde,
H. No. 5-9-31/A, Near New MLA Quarters,
Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. P. Vasundhara
W/o Late P. P. Surya Rao,
2. Sri P. Venkataratnakaram
S/o Late P. P. Surya Rao,
H. No. 3-4-257, Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

(3) 1. Sri G. Surya Rao,
2. Sri K. Ranga Rao,
3. Sri P. Mohan Rao,
H. No. 2-1-487, Nallakunta,
Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1979

Ref. No. RAC. No. 19/79-80.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
2-1-487 to 487/3 situated at Nallakunta, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in August-78
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 2-1-487, 487/1, 487/2, 487/3, situated at
Nallakunta, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3100/78
in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-4-1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

FORM ITNS —

(1) M/s. Sri Krishna Construction Co.,
5-8-612, Abid Road, Hyderabad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Pradeep Kumar,
15-9-60, Maharaj Gunj, Hyderabad,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Ref. No. RAC. No. 20/79-80.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat on the 4th floor bearing No. 4-1-938 R. 6 to R. 8 situated at Tilak Road Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Hyderabad in August-78
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on the 4th floor with 1354.80 sq. ft. built up area bearing No. 4-1-938/R. 6 to R. 8 situated at Tilak Road, Hyderabad registered through Document No. 2901/78 at the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) M/s. Shaw Builders,
22-7 269/3, Dewan Devdi, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Puroshothamdas s/o Mahaveerprasad
H No. 14-2-389, Racakkpura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Ref. No. RAC. No. 21/79-80.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.
22-7-269/14 situated at Salar Jung Market
Dewan Devdi, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Azampura in August 78
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 22-7-269/14 on the ground-floor of Salar Jung Market situated at Dewan Devdi, Hyderabad registered through Document No. 2084/78 by the Sub-Registrar, Azampura, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-4-1979

Seal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

19—46GI/79

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Shaw Builders,
22-7-269/3, Dewan Devdi, Hyderabad,
(Transferor)

(2) Shri Hemraj s/o Ramraj,
H. No. 21-1-687, Ricabgunj,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Ref. No. RAC. No. 22/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop in 22-7-269 situated at Salar Jung Market Dewan Devdi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura in August 78. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi in Salar Jung Market, Dewan Devdi, Hyderabad registered through Document No. 2085/78 at the Sub-Registrar's office, Azampura, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Mir Masood Ali,
H. No. 5-8-89, Gadwal Rani Compound,
Nampally, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri Vijay Kumar Asthana,
H. No. 21-4-726, Koka-ki-tatti,
Hyderabad. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC No. 23/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Flat in 6-1-67/1/3 situated at Public Garden Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad, Hyderabad in August 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of second floor flat No. 6-1-67/1/3 facing Public Garden Road, Hyderabad registered through Document No. 2313/78 at the Sub-Registry, Khairatabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Shaw Builders,
22-7-269/3, Dewan Devdi, Hyderabad-500002.
(Transferor)

(2) Shri Ramkumar S/o Chowthmal,
21-6-487 Ghansi Bazar,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC No. 24/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22-7-269/15 situated at
Dewan Devdi, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Azampura on 19th August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 15 M.C.H. No. 22-7-269/15 at Salar Jung Market, Dewan Devdi, Hyderabad registered vide document No. 2145/78 at the office of the S.R.O. Azampura on 14-8-78.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-4-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Shaw Builders,
22-7-269/3, Dewan Devdi, Hyderabad-500002.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Raj Kumari Bai w/o Ratanlal,
21-1-281, Ghansi Bazar, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Re: No. RAC. No. 25/79-80.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
22-7-269/46 situated at
Dewan Devdi, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Azampura on August 78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Shop No. 46 M.C.H. No. 22-7-269/46 at Salar Jung
Market, Dewan Devdi, Hyderabad, registered vide Document
No. 2267/78 at the office of the Sub-Registrar, Azampura in August 78.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Ref. No. RAC. No. 26/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-54/76 situated at Busheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ghousia Begum w/o Momin Khan, H. No. 22-3-441, Mandi Mir Alam, Hyderabad.

(Transferor)

(2) (i) Sri Satteyya s/o Kishtayya,
(ii) Sri G. Raghunath s/o Kishtayya,
(iii) Sri G. Anand s/o Satheyya,
H. No. D-34, Bansilalpet,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing Mpl. No. 5-9-54/76 situated at Vanapathy-Phool Bagh, Basheerbagh, Hyderabad registered through Document No. 3264/78 at the Joint-Sub-Registrar's Office, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

1. Sri Ashok Ram Rao Koratkar, 12-12, Shivajinagar,

PUNE-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri Gangabhisheen Sarda, 4-4-205, Sultan bazaar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 27/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-1-700 to 701 situated at Jambagh road, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Building bearing No. 4-1-700 to 701, Jambagh Road, Hyderabad registered through document No. 3491/78 at the Joint Sub-Registrar's office, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 17-4-1979.
Seal :

FORM ITNS

1. Maj. Mohd. Ahsanuddin Hussain, H. No. 5-8-594,
Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

**ACQUISITION RANGE,
HYDFRABAD**

Hyderabad, the 17th April 1979

Ref. No. RAC. No. 28/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

206, 209, 210 etc. situated at Nacharam Village, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. Maj. Mohd. Ahsanuddin Hussain, H. No. 5-8-594,
Abid Road, Hyderabad.
2. The Sivaramakrishna Co-operative Housing Society Ltd., 12-5-12/2, Vijayapuri, Tarnaka, Secunderabad.
3. The H.M.T. Employees Co-operative House Building Society Ltd., H.M.T. Township, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/5 share of interest out of 78 Acres 30 Guntas Agriculture land in S. No. 206/4, 209, 210, 211/2 etc. measuring 31 Acres 20 Gunas at Nacharam village registered vide document No. 3067/78 at the S.R.O. Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1979.

Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1979

Ref. No. RAC. No. 29/79-80.—Whereas, 1, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

182, 184, 206/4 etc. situated at Nacharam Village, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

1. 1. Smt. Mehaboobunnisa Begum, 2. Smt. Basheerunnisa Begum and 3. Smt. Afsarunnisa Begum, King Koti Road, Hyderabad.

(Transferor)

2. The Sivaramakrishna Co-operative Housing Society Ltd., 12-5-12/2, Vijayapuri, Tarnaka, Secunderabad.

(Transferee)

3. The H.M.T. Employees Co-operative House Building Society Ltd., H.M.T. Township, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3/5 share of interest out of 78 Acres 30 Gunta Agriculture land in S. No. 182, 184, 206/4, 192/1 etc. measuring 47 Acres 25 Gunta registered under document No. 3075/78 at the S.R.O. Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 17-4-1979,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—46GI/79

FORM ITNS

1. Sri D. V. Ramana Reddy, H. No. 1-11-220/9 at Begumpet, Secunderabad.

(Transferor)

2. Dr. S. Gopalkrishnan, H. No. 109 at Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th April 1979

Ref. No. RAC. No. 30 79-80—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and 1-11-220/9 situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-11-220/9 at Begumpet, Secunderabad, admeasuring 285 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1974/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 18-4-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th April 1979

Ref No RAC No 31/79-80.—Whereas, 1, K S VI NKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Flat No 18 situated at 111-252/1 Begumpet Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Secunderabad in August 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1 M/s Jabbar Real Estate, 54 Nallagutta, Secunderabad
(Transferor)
2 Smt Sugun Rukmin Bai, H No 221122/3 at
New Nallakunta, Hyderabad
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax, Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Flat No 18 in the Building M No 1-11 252/1 at Begumpet Secunderabad registered vide Doc No 2050/78 in the office of the Sub Registrar Secunderabad

K S VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date 18-4-1979
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th April 1979

Ref. No.RAC. No. 32/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 157/7 situated at Tokatta Village Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Secunderabad in August 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. I. K. Yella Reddy, Kummargutta, Chandul Bowli, Secunderabad, 2. K. Yadi Reddy, H. No. 19-3-262/2-A at Falakauma, Hyderabad.

(Transferor)

2. Sri S. Eshwar Reddy, R/o Tokatta Village, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.35 Acres, in survey No. 157/7 situated at Tokatta Village, Hyderabad, Urban-Tq, registered vide Doc. No. 2126/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-4-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shantaram Lavman Sagun (Transferor)
 (2) (1) Smt. Seethalaxmi Ramchandran
 (2) Smt Rajlaxmi Rajshekhar. (Transferee)
 (3) — Do — (Person in occupation of the property)
 (4) — Do — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 27th February 1979

Ref. No. AR.III/AP285/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHADRI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1273 Flat No. 3 Plot No. 424 10th Road situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 718178 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—36GL/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-899/78 and as registered on 7-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III, Bombay

Date : 27-2-79
 Seal :

FORM ITNS

(1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1979

Ref. No. AR.III/AP 286/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHADRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block E of S. No. 41 situated at Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-8-78 (document No. 6448/72) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Satishbhai D. Patel
2. Pushpaben D. Patel
3. Manibhai Bhailalbhai Patel
4. Fakubhai Somabhai Patel
5. Bhashkerbai K. Patel
6. Vinantiben K. Patel
7. Gunvantbhai K. Patel
8. Anilaben Ambalal Patel
9. Dahyabhai P. Patel
10. Gordhanbhai K. Patel
11. Kishorbhai Prabhudas Patel
12. Manibhai K. Patel.
99 Jawahar Nagar,
Goregaon (West),
Bombay-62.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Land No. S 6448/78 and as registered on 4-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 28-2-79
Seal :

FORM ITNS—

(1) Byramji Jeejeebhoy Pct. Ltd.

(Transferor)

(2) Gordhanbhai K. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 27th February 1979

Ref. No. AR-III/AP 287/78-79.—Whereas, I V. S.

SHESHADRI
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 34 to 37 Survey No. 41 situated at Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-8-78 (document No. 6451/72)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 6451/72 and as registered on 4-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

V S. SHESHADRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 27-2-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kishorebhai Prabhudas Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 27th February 1979

Ref. No. AR. III/A.P. 288/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHADRI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. E 38 to 44 of Survey No. 41 situated at Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-8-78 (document No. 6452/72)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 6454/72 and as registered on 4-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

V S. SHESHADRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 27-2-79
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dabyabhai P. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 27th February 1979

Ref. No. AR. III/AP. 289/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHADRI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 26 to 33 S. No. 41 situated at Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 4-8-78 (Document No. 6455/72) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—46GI/79

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No 6455/72 and as registered on 4-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

V S. SHESHADRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 27-2-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manibhai K. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 27th February 1979

Ref. No. AR. III/AP. 290/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHA DRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 46, 48 to 56 of S. No. 41 situated at Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 4-8-78 document No. 6458/72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 6458/72 as registered on 4-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

V. S. SHESHA DRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 27-2-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Ansuya Kantilal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Dayaram Shamji Thakkar
2. Dhirajlal Khemchan Shah
3. Suresh Mansukhlal Turakhia
4. Lalit Neghji Merchant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1979

Ref. No. AR. III/AP291/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHADRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3, S. No. 133, CTS No. 1309/3 situated at Versova (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-8-78 (document No. 979/74) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-979/74 as registered on 1-8-78 with the Sub-Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III Bombay

Date : 28-2-79
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) 1 Krishanlal N Marwah
 2 Rajeshwailal K Marwah
 3 Sushil K Marwah

(Transferor)

(2) M/s Malhotra Silk Mills

(Transferee)

(3) M/s Malhotra Silk Mills

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned--

Bombay, the 28th February 1979

Ref No AR III/AP 292/78-79—Whereas, I V S SHESHADRI

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Plot No 7 (pt) of Marwah Estate situated at Marol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-8-78 (Document No 939/78) for an apparent consideration which is less than then the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No S-939/78 and as Registered on 17-8-78 with the Sub Registrar, Bombay

V S SHESHADRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date . 28-2-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1979

Ref. No. AR. II/2639/17/August 78.—Whereas, I, V. S. SHESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 211-C, Hissa No. 1 & 2 City situated at Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 28-8-78 (Document No. 3141/72/R) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

- (1) Sadruddin Mahomed Nanavati
Abdul Aziz Fazalbhoy Rajwani. (Transferor)
- (2) Ratnadeep Cosmopolitan Corporative Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) 1. Mrs. Henkuyar I. Dave
2. Ebrahim Suleman Esen Patel
3. Shree A. L. Dalal
4. Shri K. H. Kejariwal
5. Dr. S. R. Pradhan

6. Mrs. Taravati H. Mehra
7. Mr. Hemraj Mehra
8. Shree S. Fernandes
9. Mrs. Nirmala Sheel Chandha
10. Shree K. R. Rajput
11. Shree C. N. Chachad
12. Mrs. Radhika K. Punjabi
13. George Durga Construction Co.
14. Shree R. L. Pais
15. Shree R. D. Pawaskar
16. George Durga Construction Co.
17. Mrs. S. R. Parmar
18. Shree G. Venkatraman
19. Shree K. S. Jhaveri
2 Garages K. S. Jhaveri Jhaveri & Co.
18. Shree S. D. Mohite, Garage
19. C. K. Venkataraman
20. R. A. Kashyap
21. Mohite
22. Vasant
23. Ratanchand Khanchand Marot
24. Bhartiya Vidya Bhuwan.

(Person in occupation of the property)

- (4) 1. S. M. Nanavati & A. P. Rajwani
2. Mrs. Henkuyar I. Dave
3. Ebrahim Suleman Esen Patel
4. Shree A. L. Dalal
5. Shree K. H. Kejariwal
6. Dr. S. R. Pradhan
7. Mrs. Taravati H. Mehra
8. Mr. Hemraj Mehra
9. Shree S. Fernandes
10. Mrs. Nirmala Sheel Chandha
11. Shree K. R. Rajput
12. Shree C. N. Chachad
13. Mrs. Radhika K. Punjabi
- George Durga Construction Co.
14. Shree R. L. Pais
15. Shree R. D. Pawaskar
George Durga Construction Co.
16. Mrs. S. R. Parmar
17. Shree G. Venkatraman
18. Shree K. S. Jhaveri
2 Garages K. S. Jhaveri Jhaveri & Co.
19. Shree S. D. Mohite Garage.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3141/72/R and as registered on 28-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 28-2-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Sabitri Debi Behani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sudhir Chandra Majumdar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1979

Ref. No. AC-73/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I S. K. DASGUPTA being the competent authority under section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mouza Krishnapur, situated at Block 'C' Bangur Avenue (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6 cottahs 3 chittaks 17 sft being Dag No. 1337 and 11 chittaks 17 sft. being dag No. 1321 and 1338 situated at Mouza Krishnapur, Block 'C', Bangur Avenue, South Dum Dum Municipality more particularly as per deed No. 4221 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-3-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mani Bai Vora & others.

(Transferor)

(2) Shri Tushar Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1979

Ref. No. Sl. 492/TR-417/C-347/Cal-1/78-79 —Whereas, I
I. V. S. JUNEJA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 49, situated at Ezra St, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Calcutta on 1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

17/100 part of multi-storeyed building being premises No
49, Ezra St., Calcutta situated on a plot of land measuring
10 K 4 Ch 40 St registered under deed No. 1-4097 before
the Registrar of Assurance, Calcutta on 16-8-78.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 18-4-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Moni Bai Vora & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhaskar Vora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1979

Ref. No. Sl. 493/TR-418/C-346/Cal-1/78-79.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

49, situated at Ezra St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

11/100 part of multi-storeyed building being premises No. 49, Ezra St., Calcutta situated on a plot of land measuring 10 K. 4 Ch. 40 Sft. registered under deed No. 1-4098 before the Registrar of Assurance, Calcutta on 16-8-78.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 18-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Moni Bai Vora Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anil Kumar Vora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1979

Ref. No. Sl. 494/TR-419/C-345/Cal-1/78-79.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49, situated at Ezra St., Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

THE SCHEDULE

11/100 part of multi-storeyed building being premises No. 49, Ezra St., Calcutta situated on a plot of land measuring 10 K. 4 Ch. 40 Sft. registered under deed No. 1-4-098 before the Registrar of Assurance, Calcutta on 16-8-78.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 18-4-1979
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS —

(1) Shri Moni Bai-Vora & others.

(Transferor)

(2) Shri Ghanendra Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1979

Ref. No. Sl. 495/TR-420/C-344/Cal-1/78-79.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49, situated at Ezra St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Calcutta on 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

11/100 part of multi-storeyed building being premises No. 49, Ezra St., Calcutta situated on a plot of land measuring 10 K 4 Ch. 40 Sft. registered under deed No.—4100 before the Registrar of Assurance, Calcutta on 16-8-78.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 18-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Sardar Trilochan Singh.
(Transferor)

(2) Shri Radha Raman Agarwal & Vinay Kumar Agarwal.
(Transferee)

(3) Sardar Trilochan Singh.
(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th April 1979

Ref. No. R-Acquisition.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 88 situated at Udaipur Maiknir Road, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 30-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A kothi No. 22 situated at Udaipur, Maiknir Rd, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 4906 duly executed at the office of the Sub-Registrar Bareilly on 30th August 1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 18-4-1979

Seal :

STAFF SELECTION COMMISSION
NOTICE

New Delhi, the 5th May 1979

Grade 'C' Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1979.

No. 13/8/78-E.A.—Staff Selection Commission, New Delhi, will hold on 28th September, 1979 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Missions abroad a competitive examination for recruitment to temporary vacancies in Grade 'C' of Central Secretariat Stenographers' Service, Grade II of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B), Grade 'C' of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service and Grade 'C' of Railway Board Secretariat Stenographers' Service.

2. Conditions of Eligibility

Must be a permanent or temporary regularly appointed Grade 'D' or Grade III Stenographer of any one of the Services mentioned above satisfying the following conditions :—

(a) *Length of Service.*—Must have, on 1st January, 1979 rendered not less than three year's approved and continuous service as Grade 'D' or Grade III Stenographer of the service concerned.

(b) *Age.*—Not more than 50 years on 1st January, 1979. Upper age limit relaxable for SCs/STs and certain other specified categories.

(c) *Stenography Test.*—Unless exempted, he should have passed Commission's Stenography Test for the purpose of confirmation or continuance in Grade 'D' or Grade III of the service concerned, on or before the date of notification of this examination.

3. *Fee.*—Rs. 12/- (Rs. 3/- for SCs/STs).

4. Full particulars and application forms are obtainable from Controller of Examinations (HQ), Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, 2nd Floor, Khan Market, New Delhi-110003, by remitting Re. 1.00 by means of CROSSED (A/C Payee) INDIAN POSTAL ORDER Payable to the Staff Selection Commission, at Lodhi Road Post Office, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Commission's Office.

5. Completed application forms must reach the Commission by 11th June, 1979 (25th June, 1979 for candidates residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep).

Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination, 1979.

No. 13/9/78-E.A.—Staff Selection Commission, New Delhi, will hold on 21st and 22nd September, 1979 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Missions Abroad, a limited departmental competitive examination for making additions to the Select List of the Central Secretariat Clerical Service and Railway Board Secretariat Clerical Service.

2. Conditions of Eligibility

Must be a permanent or temporary regularly appointed officer of the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service satisfying the following conditions :—

(a) *Length of Service.*—Must have, on 1st January, 1979 rendered not less than 5 years approved and continuous service in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service.

(b) *Age.*—Not more than 50 years on 1st January, 1979. Upper age limit relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes and certain other specified categories.

(c) *Typewriting Test.*—Unless exempted, he should have passed the Monthly/Quarterly Typewriting Test held by the UPSC/STS/ISTM (Examination Wing)/Subordinate Services Commission/Staff Selection Commission on or before issue of Notice of this examination for the purpose of confirmation in the Lower Division Grade.

3. *Fee.*—Rs. 12/- (Rs. 3/- for SCs/STs)).

4. Full particulars and application forms are obtainable from the Controller of Examinations (HQ) of Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, 2nd Floor, Khan Market, New Delhi-110003 by remitting Re. 1/- by means of crossed (A/C Payee) Indian Postal Orders payable to the Staff Selection Commission at Lodhi Road, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Commission's Office.

5. Completed application forms must reach the Controller of Examinations (HQ), on or before 11th June, 1979 (25th June, 1979 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep).

VIVEK BHATTACHARYA
Controller of Examinations